संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-122 ■ रायपुर, मंगलवार 29 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : तृतीया
नक्षत्र : अश्विनी
प्रथम करण : वणिजा
द्वितीय करण : विष्टि
पक्ष : कृष्ण
वार : मंगलवार
योग : हरषाना
सूर्योदय : 06:13
सूर्यास्त : 18:02
चंद्रमा : मेष राशि में
राहुकाल : 16:35 - 18:04
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवतः 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:44 - 12:31

बैंकों की हड़ताल टली

नई दिल्ली। आम जनता के लिए राहत भरी खबर है। सोमवार से तीन दिनों तक होने वाली बैंकों की हड़ताल टल गई है। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के बीच रविवार को हुई बैठक के बाद तीन दिनों की बैंक हड़ताल वापस लेने का फैसला लिया गया। यूएफबीयू के सर्कुलर नंबर 2026/31 के अनुसार, रविवार रात 9:30 बजे आईबीए और यूएफबीयू के बीच बैठक हुई। विचार-विमर्श के बाद दोनों पक्षों में सहमति बनने के बाद हड़ताल वापस लिया गया।

ब्रेक फेल होने से बेकाबू बस ने कई गाड़ियों में मारी टक्कर

नवी मुंबई। नवी मुंबई में ठाणे-बेलापुर मार्ग पर बेलापुर खिंड में उस समय हड़कंप मच गया जब एक स्टेट ट्रांसपोर्ट (एसटी) की एक बस का ब्रेक रविवार शाम को फेल हो गया। ब्रेक फेल होने के बाद एसटी बस अनियंत्रित हो गई और उसने तीन रिक्शा तथा तीन कारों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कुल 9 लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक मुंबई से मुरुड जा रही बस बेलापुर खिंड पार करने के बाद ढलान पर पहुंची थी, तभी अचानक बस का ब्रेक फेल हो गया। ड्राइवर ने बस को नियंत्रित करने और सड़क के किनारे करने की पूरी कोशिश की लेकिन वह अपनी कोशिशों में सफल नहीं हो पाया। बस से आगे चल रहे करीब 6 वाहन बस की चपेट में आ गए। एसटी बस की इन गाड़ियों से टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई कार और रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गए।

सिलेंडर ब्लास्ट से घर गिरा, आधा दर्जन लोग मलबे में दबे

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में गैस सिलेंडर फटने से एक बड़ा हादसा हो गया। सिलेंडर ब्लास्ट से घर की छत गिर गई। करीब आधा दर्जन लोग मलबे में दब गए। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसा काफी भीषण था। अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

जानकारी के मुताबिक मलवा थाना क्षेत्र के एक घर में खाना बनाते समय यह हादसा हुआ। अचानक गैसे सिलेंडर फटने से तेज आवाज हुई और इलाके में हड़कंप मच गया। चारों और चीख पुकार मच गई। सिलेंडर ब्लास्ट इतना जबर्दस्त था कि जिस घर में ब्लास्ट हुआ वह पूरी तरह से जमींदोज हो गया था। पूरी बिल्डिंग के परखच्चे उड़ गए और घर के अंदर रह रहे लोग मलबे में दब गए।

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता टीम की संजू देवी को मुख्यमंत्री ने 51 लाख रुपए देने की घोषणा की

छत्तीसगढ़ की बेटी ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से देश-प्रदेश का मान बढ़ाया : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य और छत्तीसगढ़ की बेटी सुश्री संजू देवी ने आज मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सुश्री संजू देवी को बधाई देते हुए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सुश्री संजू देवी को 51 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुश्री संजू देवी ने अपने उत्कृष्ट खेल, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं में अपार सामर्थ्य है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और प्रोत्साहन मिले, ताकि वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश और देश का नाम रोशन करें।

मुख्यमंत्री ने सुश्री संजू देवी से एशियन गेम्स के अपने अनुभवों और भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन के संबंध में आत्मीय बातचीत की। उन्होंने संजू देवी की मेहनत और खेल के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके



उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक खिलाड़ी की उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं होती, बल्कि वह अपने साथ हजारों युवाओं के सपनों को भी नई उड़ान देती है। संजू देवी की सफलता प्रदेश के गांवों और छोटे शहरों में खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सपना देख रहे बच्चों और युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ाएगी।

उल्लेखनीय है कि जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 की महिला कबड्डी स्पर्धा में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में ईरान को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की सुश्री संजू देवी ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल और खिलाड़ियों के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि प्रदेश के दूरस्थ अंचलों से निकलने वाली प्रतिभाओं को भी अपनी क्षमता निखारने और देश-दुनिया के खेल मंचों तक पहुंचने के पर्याप्त अवसर मिलें। सुश्री संजू देवी जैसी प्रतिभाओं की उपलब्धियां इस संकल्प को और मजबूत करती हैं।

सुश्री संजू देवी ने सम्मान और प्रोत्साहन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से मिला यह प्रोत्साहन उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

विदेश मंत्रालय द्वारा सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026 के लिए छत्तीसगढ़ का चयन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे राज्य प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के नामांकन पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 3 से 6 अक्टूबर 2026 तक सिंगापुर जाने वाले छत्तीसगढ़ के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर में आयोजित होने वाले सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ (SING) फोरम 2026 में भाग लेगा।

इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ को अपनी उपलब्धियों, विकास की संभावनाओं और निवेश के अवसरों को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। साथ ही सिंगापुर के व्यापार जगत, उद्यमियों और निवेशकों के साथ भविष्य के सहयोग के लिए नए संबंध स्थापित करने की दिशा में भी पहल होगी।



SING फोरम 2026 का यह पहला संस्करण है, जिसका आयोजन सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा किया जा रहा है। फोरम में सिंगापुर और भारत के वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रमुख और निवेशक एक मंच पर आएंगे। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करना तथा व्यापार और निवेश के नए अवसरों को प्रोत्साहित करना है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय फोरम में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य में एमएसएमई, स्टार्टअप और रोजगारपरक क्षेत्रों में उपलब्ध व्यापक निवेश संभावनाओं को प्रस्तुत करेंगे। राज्य प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की औद्योगिक संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और उद्यमियों के समक्ष रखने के साथ ही दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर संवाद किया जाएगा।

सिंगापुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्किल सेंटर, मंडई वाइल्डलाइफ रिजर्व और गार्डन्स बाय द बे के साथ भी बैठकें करेगा। इन बैठकों में कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग के साथ वन्यजीव संरक्षण, उद्यानिकी और हरित विकास से जुड़े अनुभवों एवं संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह यात्रा छत्तीसगढ़ को वैश्विक साझेदारों से जोड़ने और राज्य के विकास के नए रास्ते खोलने का महत्वपूर्ण अवसर है। राज्य सरकार का प्रयास है कि वैश्विक स्तर पर उपलब्ध विशेषज्ञता, निवेश और नवाचार की संभावनाओं से छत्तीसगढ़ को जोड़कर विकास और रोजगार के नए अवसर तैयार किए जाएं।

मुख्यमंत्री श्री साय के साथ राज्य प्रतिनिधिमंडल में मुख्य सचिव श्री विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री विश्वेश कुमार तथा मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) श्री उमेश अग्रवाल शामिल रहेंगे।

आशीष टिकरिहा को जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार

रायपुर ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए 2021 बैच के IAS आशीष कुमार टिकरिहा को वर्तमान दायित्वों के साथ जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार दिया है। यह आदेश आज सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया है। आदेश में उल्लेख है कि आशीष कुमार टिकरिहा वर्तमान में छत्तीसगढ़ वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक के पद पर कार्यरत हैं। अब वे अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ जनसंपर्क संचालक का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।

उफान पर महानदी : सीएम साय के निर्देश पर प्रशासन मुस्तैद

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार महानदी के बढ़ते जलस्तर और जांजगीर-चांपा जिले के तटीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने शिवरीनारायण पहुंचकर बैराज, पुल और महानदी के तटीय क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने नदी के जलस्तर एवं बहाव की स्थिति के साथ सुरक्षा, राहत और बचाव की तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी और आवश्यकतानुसार तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर-एसपी ने शिवरीनारायण बैराज और पुल के साथ तटीय क्षेत्रों तथा महंत लालदास महाविद्यालय में बनाए गए राहत शिविर का निरीक्षण किया। राहत शिविर में प्रभावित लोगों के ठहरने के साथ भोजन, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता और शौचालय सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। अधिकारियों को प्रभावित नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

चुनाव आयोग विवाद पर कांग्रेस कार्य समिति आज तय करेगी रणनीति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठे विवाद के बीच मंगलवार को इस मुद्दे पर आगे की रणनीति पर चर्चा करेगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित चुनाव प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हो सकता है। निर्वाचन आयोग के भीतर मतदाता सूची और एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों को लेकर कथित तौर पर मतभेद सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। चुनावअपडेट्स देखें

अंग्रेजी दैनिक 'इंडियन एक्सप्रेस' की एक खबर में दावा किया गया है कि पिछले 10 महीने में दो निर्वाचन आयुक्तों ने ऐसे मामलों में 14 बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने कहा है कि आंतरिक विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय और सुझाव सामने आना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है तथा उसके फैसले सर्वसम्मति से और स्थापित वैधानिक प्रक्रिया के तहत लिए गए हैं। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है।

खरगे ने सोमवार को कहा कि उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बुलाई है, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा होगी और सभी सदस्य अपने सुझाव देंगे। उन्होंने कहा, "हम इस मुद्दे को गंभीरता से उठाएंगे। यह मुद्दा पूरे देश के लोगों, हमारे लोकतंत्र के अस्तित्व और भारत के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

इसलिए हम इस विषय को लेकर बहुत गंभीर हैं।" कांग्रेस अध्यक्ष ने निर्वाचन आयोग के भीतर से कथित तौर पर सामने आई आपत्तियों का भी हवाला दिया और केरलम के पूर्व मुख्य सचिव जीजी थॉमसन के उस कथित बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने उनसे चुनाव लड़ने के लिए कहा था।

बृजभूषण शरण सिंह की बढ़ीं मुश्किलें, बरी किए जाने के फैसले को महिला पहलवानों ने दी चुनौती

नई दिल्ली ■ एजेंसी



भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह की एक बार फिर मुश्किलें बढ़ गई हैं।

चार महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी है। महिला पहलवानों की याचिका पर राऊज एवेन्यू कोर्ट की सेशन कोर्ट ने आज सुनवाई की। कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह और मामले में आरोपी विनोद तोमर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सेशन कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 9 अक्टूबर तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी।

दरअसल, मजिस्ट्रेट कोर्ट ने यौन उत्पीड़न के मामले में बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ चार महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में अपील दायर की है। महिला पहलवानों ने बीजेपी नेता और WFI के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत से इसे रद्द करने की मांग की है। अब सेशन कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी, जहां दोनों आरोपियों के जवाब के बाद मामले में आगे की सुनवाई की जाएगी।

अपनी अपील में महिला पहलवानों ने आरोप लगाया है कि निचली अदालत का फैसला "अनुमानों और अटकलों" पर आधारित थे और यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के पीड़ितों के अपेक्षित आचरण के बारे में "पुराने और रूढ़िवादी विचारों" को दर्शाते थे।

याचिका में यह तर्क दिया गया है कि निचली अदालत ने अभियोजन पक्ष के मामले को खारिज करते समय सबूतों का समग्र रूप से मूल्यांकन करने और गवाहों के समर्थन पर विचार करने के बजाय मामूली विसंगतियों और अलग-थलग विसंगतियों पर ध्यान केंद्रित किया। यह मामला 6 महिला पहलवानों द्वारा बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से सामने आया।

शिमला में लैंडस्लाइड, पहाड़ खिसकने से सड़क पूरी तरह बंद

यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह

शिमला ■ एजेंसी

जांगलिख पुल के पास पहाड़ी दरकने से सड़क पूरी तरह बंद हो गई। पहाड़ से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर सड़क पर आने के कारण दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। मौके पर नुकसान की भी सूचना है। बताया जा रहा है कि जांगलिख पुल के पास रविवार से ही पहाड़ी से लगातार पत्थर गिर रहे थे। इस दौरान सड़क से गुजर रहे कई यात्रियों ने भागकर अपनी जान बचाई थी। अब अचानक पूरा पहाड़ दरकने से बड़ी मात्रा में मलबा सड़क पर आ गया है, जिससे



मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। वहीं, जांगलिख खड़ में हुए भारी लैंडस्लाइड के कारण सुंदरू खड़ का पानी रुक गया था। इससे आसपास के क्षेत्रों में अचानक पानी का बहाव बढ़ने का खतरा बना हुआ था। ऐसे में स्थानीय लोगों और यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

रोहडू के एसडीएम धर्मेश रमोत्रा ने बताया कि तहसीलदार चिड़गांव को मौके पर भेज दिया गया है। सुंदरू खड्ड में गिरे मलबे के कारण पानी का बहाव थोड़ा सा अवरुद्ध हुआ था, लेकिन अब पानी का बहाव फिर से शुरू हो गया है। खड्ड में झील बनने जैसा कोई खतरा नहीं है। जलस्तर अचानक बढ़ने की संभावना है। लोगों से अपील है की गई है कि जांगलिख, पब्बर नदी और खड़ के किनारे जाने से बचें तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

2000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर जारी रहेगा एमडीआर : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2,000 रुपये से ज़्यादा के UPI पेमेंट पर MDR (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) लगाने के केंद्र सरकार के फ़ैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने केंद्र सरकार, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI), नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया (NPCI) और UPI स्टीयरिंग कमिटी को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस उन गज़ट नोटिफ़िकेशन को चुनौती देने वाली याचिका पर जारी किया गया है, जिनमें 2,000 रुपये से ज़्यादा के कमर्शियल UPI 'पर्सन-टू-मर्चेंट' ट्रांज़ैक्शन पर चार्ज लगाने की घोषणा की गई थी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने कहा यह कानूनी मामला कम और तकनीकी मामला ज़्यादा है। केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन ने बेंच को बताया कि गेटवे का इस्तेमाल करने वाले 96 प्रतिशत लोग इससे छूट के दायरे में आते हैं।

अनिल कपूर से शादी के बाद अकेले ही हनीमून पर गई थीं सुनीता, बताई अनोखी कहानी, बोले- 'मैं साथ नहीं गया था'

मुंबई (एजेंसी)। अनिल कपूर इन दिनों अपने शो 'इंडिया के टॉप वन परसेंट' को लेकर चर्चा में हैं। अनिल कपूर ये शो होस्ट कर रहे हैं, जहां वह अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े किस्से भी साझा करते रहते हैं। इसी शो के दौरान अनिल कपूर ने अपनी शादी के बाद का एक किस्सा शेयर किया।

अनिल कपूर और सुनीता कपूर की शादी को चार दशक से ज्यादा हो गए हैं और दोनों के तीन बच्चे सोनम कपूर, रिया कपूर और यशवर्धन कपूर हैं। इस बीच अपने शो में अनिल कपूर ने अपनी शादी के शुरुआती दिनों की कहानी साझा की, जिसने सभी को हैरान कर दिया। अनिल कपूर ने बताया कि शादी के बाद सुनीता अकेले हनीमून पर गई थीं।

अनिल कपूर और सुनीता की लव स्टोरी की शुरुआत काफी फिल्मी अंदाज में हुई थी। दोनों की लव स्टोरी एक प्रैंक कॉल से शुरू हुई और फिर मुलाकातों का सिलसिला शुरू हुआ। अनिल कई बार अपनी पर्सनल लाइफ और सुनीता के सपोर्ट के बारे में बात कर चुके हैं। उन्होंने ये भी बताया कि कैसे एक समय पर पैसे की तंगी थी, जिसके बाद सुनीता ने पूरे घर को संभाला। इसी दौरान उन्होंने ये भी बताया कि उका हनीमून भी आम तौर पर होने वाले हनीमून जैसा नहीं था। हालिया एपिसोड के दौरान अनिल कपूर ने कंगना रनौत की फिल्म 'क्वीन' पर बात करते हुए अपनी "क्वीन"... यानी सुनीता के बारे में बात की और बताया कि सुनीता उनके बिना ही हनीमून पर चली गई थीं।



अनिल कपूर के बिना ही हनीमून पर चली गई थीं सुनीता

अनिल कपूर ने अपने अजीब हनीमून की कहानी साझा करते हुए कहा- 'सुनीता अकेले ही गई थीं हनीमून पर, मैं साथ में नहीं जा पाया था।' अनिल कपूर ने बताया कि भले ही उन्होंने अपना हनीमून मिस कर दिया हो, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि सुनीता हमेशा से उनके दिल पर राज करती आई हैं और आज भी उन्हीं का राज है। सुनीता को अपनी 'क्वीन' बताते हुए अनिल कपूर ने कहा- 'सुनीता ही मेरी क्वीन हैं और हमेशा रहेंगी। मेरी पत्नी सुनीता ने मुझसे एक ही शर्त पर शादी की थी कि वह शादी के बाद कभी किचन में कदम नहीं रखेंगी। उनकी शर्त सुनने के बाद मुझे समझ आ गया था कि मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ेगा।'

'इंडिया के टॉप 1%' के बारे में

'इंडिया के टॉप 1%' की बात करें तो ये एक क्विज शो है, जो मस्ती से भरपूर है। इस रियेलिटी शो को अनिल कपूर होस्ट कर रहे हैं और इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर देखा जा सकता है। शो का प्रीमियर 5 सितंबर को हुआ था।

बता दें, 'इंडिया के टॉप 1%' एक इंटरनेशनल फॉर्मेट वाला शो है, जो पहले नीदरलैंड्स, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, यूक्रेन, तुर्की, स्पेन, मैक्सिको और अमेरिका जैसे देशों में दर्शकों का दिल जीत चुका है।

अक्षय खन्ना ने मुंबई में खरीदा 33 करोड़ का आलीशान घर, 2500 वर्ग फुट में फैला है लग्जरी अपार्टमेंट



मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना ने मुंबई के बेहद पॉश इलाके मालाबार हिल में करोड़ों रुपये का लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। स्कवायर यार्ड पर दिए गए प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन से जुड़े दस्तावेजों के मुताबिक अभिनेता ने यह संपत्ति 33.26 करोड़ रुपये में खरीदी है। इस डील की जानकारी प्रॉपर्टी कंसल्टिंग प्लेटफॉर्म स्क्वायर याड्र्स द्वारा देखे गए रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों से सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक यह लेनदेन सितंबर 2026 में रजिस्टर्ड हुआ है। हालांकि, इस प्रॉपर्टी को लेकर अभिनेता की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

2341 वर्ग फुट से ज्यादा है कारपेट एरिया

दस्तावेजों के अनुसार अक्षय खन्ना के नए अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 2,341.39 वर्ग फुट है। इसके अलावा प्रॉपर्टी में 175.45 वर्ग फुट की बालकनी स्पेस भी मौजूद है। इस तरह अपार्टमेंट का कुल क्षेत्रफल 2,516.84 वर्ग फुट बताया गया है। खास बात यह है कि इस प्रॉपर्टी के साथ तीन पार्किंग यूनिट भी शामिल हैं। मुंबई जैसे शहर में खासकर मालाबार हिल जैसे प्रीमियम इलाके में इतनी बड़ी रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी की कीमत काफी अधिक होना स्वाभाविक है। दस्तावेजों के मुताबिक इस सौदे पर 1.99 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई गई है, जबकि रजिस्ट्रेशन चार्ज के तौर पर 30 हजार रुपये का भुगतान किया गया।

मालाबार हिल क्यों है खास?

मालाबार हिल दक्षिण मुंबई के सबसे चर्चित और महंगे रिहायशी इलाकों में गिना जाता है। अरब सागर के किनारे स्थित यह इलाका अपने प्रीमियम अपार्टमेंट्स, आलीशान घरों और शांत माहौल के लिए जाना जाता है। नेपियन सी रोड, वॉकशॉ रोड और पेडर रोड जैसे प्रमुख रास्तों के जरिए यहां से दक्षिण मुंबई के कई अहम हिस्सों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। मालाबार हिल की लोकेशन इसे कारोबारी और प्रोफेशनल लोगों के बीच भी खास बनाती है। नरिमन प्वाइंट, फोर्ट और लोअर परेल जैसे प्रमुख बिजनेस हब से इसकी कनेक्टिविटी इसे प्रीमियम रेजिडेंशियल डेस्टिनेशन बनाती है। इसके अलावा इलाके के आसपास स्कूल, अस्पताल, रेस्टोरेंट, शॉपिंग सेंटर और मनोरंजन से जुड़ी कई सुविधाएं मौजूद हैं।

आसपास मौजूद हैं कई मशहूर जगहें

मालाबार हिल की पहचान सिर्फ महंगी प्रॉपर्टी के लिए नहीं है। यहां हैंगिंग गार्डन्स, कमला नेहरू पार्क, बाणगंगा टैंक और वॉकश्वेर मंदिर जैसे प्रसिद्ध स्थल भी हैं। समुद्र के करीब होने और सीमित संख्या में उपलब्ध प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रॉपर्टीज की वजह से इस इलाके में घर खरीदना लग्जरी और एक्सक्लूसिव लाइफस्टाइल से जोड़कर देखा जाता है।

ओरी ने की शादी, किसे बनाया लाइफ पार्टनर?

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी यानी ओरहान अवात्रामणि एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनका कोई फैशन लुक या बॉलीवुड पार्टी नहीं, बल्कि उनकी कथित शादी है। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर ओरी की शादी का एक इनविटेशन कार्ड और कई वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। कार्ड में 26 और 27 सितंबर को दो दिन चलने वाले 'वेडिंग वीकेंड' का जिक्र है। इसके बाद लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई कि क्या ओरी सच में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। हालांकि शुरुआत में ओरी की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी।

वायरल इनविटेशन में क्या लिखा था?

सोशल मीडिया पर सामने आए इनविटेशन के मुताबिक, ओरी के इस खास आयोजन की शुरुआत 26 सितंबर की रात 8 बजे 'महफिल-ए-सूफियाना' से हुई। इसके बाद 27 सितंबर को दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक 'रंग-ए-इश्क' नाम से कार्यक्रम रखा गया और रात 8 बजे से 'शादी मुबारक' का आयोजन होने की जानकारी दी गई। इनविटेशन के डिजाइन में राजस्थान की संस्कृति से प्रेरित झलक



भी दिखाई देती है। हालांकि, वायरल कार्ड से आयोजन की पूरी जानकारी स्पष्ट नहीं होती थी और ओरी की तरफ से भी शुरुआत में इसे लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई थी।

जयपुर में हुआ दो दिन का खास आयोजन

अब सामने आए वीडियो और तस्वीरों ने इस पूरी कहानी को और दिलचस्प बना दिया है। बताया जा रहा है कि ओरी ने जयपुर में शनिवार और रविवार को दो दिन का खास वेडिंग इवेंट आयोजित किया। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में उन्हें इस आयोजन के दौरान भावुक होते हुए भी देखा गया। एक वीडियो में ओरी को रोते हुए देखा जा सकता है, जिसके बाद फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स यह जानने के लिए उत्सुक हो गए कि आखिर उनका पार्टनर कौन है और उन्होंने किससे शादी की है, लेकिन ओरी की शादी की कहानी यहां एक बड़ा ट्विस्ट लेती है।

किसी और से नहीं, खुद से की शादी!

सामने आए वीडियो के मुताबिक ओरी ने किसी दूसरे व्यक्ति को अपना जीवनसाथी नहीं बनाया है। उन्होंने खुद से शादी करने का फैसला किया। वीडियो में ओरी मंच पर आते दिखाई देते हैं और इसके बाद शीशे के सामने जाकर अपने पार्टनर का जिक्र करते हैं। वह खुद से प्यार करने की बात कहते हुए बताते हैं कि उनका पार्टनर कोई और नहीं, बल्कि वह खुद हैं। ओरी के इस अंदाज ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया है। जहां आमतौर पर शादी को दो लोगों के रिश्ते के रूप में देखा जाता है, वहीं ओरी ने इसे 'सेल्फ लव' के संदेश से जोड़ दिया। यानी इस पूरे आयोजन का केंद्र किसी दूसरे व्यक्ति के साथ रिश्ता नहीं, बल्कि खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना था।

फैशन की तरह शादी भी रही हटकर

ओरी अपने अनोखे फैशन सेंस और अलग अंदाज के लिए सोशल मीडिया पर पहले से ही चर्चा में रहते हैं। उनके फोन कवर से लेकर कपड़ों और पार्टी लुक्स तक, उनका स्टाइल अक्सर लोगों का ध्यान खींचता है। ऐसे में उनकी शादी का अंदाज भी सामान्य समारोह से अलग रहा।

सेहत

क्यों नहीं खाना चाहिए ठंडा दही?

दही का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। खासकर, दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स गट हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। हालांकि, ठंडी दही का सेवन करने से आपको फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, ठंडी दही पचने में भारी होती है और शरीर में कफ या बलगम बढ़ा सकती है। कैंसर हीलर सेंटर में डायरेक्टर डॉक्टर तरंग कृष्णा बता रहे हैं कि फ्रिज से निकालकर तुरंत ठंडी दही खाने से क्यों बचना चाहिए और इसे खाने का सही तरीका क्या है?

फ्रिज से निकालने के तुरंत बाद दही का सेवन करने से बचने की सलाह इसलिए दी



जाती है क्योंकि बहुत ठंडा दही पाचन अग्नि को धीमा कर देता है और शरीर में कफ दोष को बढ़ाता है। वहीं, फ्रिज का काम सिर्फ दही को प्रिजर्व करना है उसकी गुणवत्ता को बढ़ाना नहीं है। दही में मौजूद प्रोबायोटिक बैक्टीरिया तापमान के अनुसार अलग-अलग तरह से सक्रिय रहते हैं।

क्यों करना चाहिए नॉर्मल टेम्प्रेचर वाले दही का सेवन?

डॉक्टर तरंग कृष्णा कहते हैं कि माइक्रोबायोलॉजी की स्टडी यह बताती है कि दही के अंदर मौजूद गुड बैक्टीरिया नॉर्मल टेम्प्रेचर पर सबसे ज़्यादा एक्टिव होते हैं। इसलिए, दही को खाने से कुछ समय पहले फ्रिज से निकालकर नॉर्मल रूम टेम्प्रेचर पर रखकर ही खाना चाहिए।

क्या है दही खाने का सही तरीका?

आधे घंटे पहले फ्रिज से निकाल दें: दही खाने से पहले उसे आधे या एक घंटे पहले फ्रिज में से निकाल दें। जब वह रूम टेम्प्रेचर पर आ जाए तब उसका सेवन करना चाहिए।

दिन के समय करें सेवन: दही का सेवन हमेशा दोपहर के समय लंच के दौरान ही करें। क्योंकि यह पाचन में मदद करता है और पेट को ठंडा रखता है। आप दही में भुना हुआ जीरा और काली मिर्च का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

रात में न खाएं: रात के समय दही खाने से बचना चाहिए। रात के समय इसका सेवन करने से सर्दी-जुकाम, कफ या पाचन की समस्या हो सकती है।

ताजा दही: हमेशा मीठा और ताजा जमा हुआ दही ही इस्तेमाल करें, ज्यादा खट्टा या बासी दही सेहत बिगाड़ सकता है। **(एजेंसी)**

खाने के बाद टहलना पेट के लिए माना गया है सबसे अच्छा

रोजाना वॉक करने से शरीर स्वस्थ रहता है, वजन कम होता है और आप कहीं ज्यादा एक्टिव महसूस करते हैं। लेकिन खाना खाने के बाद की गई वॉक पेट और आंतों के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। गट हेल्थ में सुधार के लिए कुछ लोग महंगे सप्लीमेंट्स, डिटॉक्स ड्रिंक्स और कॉम्प्लेक्स लाइफस्टाइल को अपनाते हैं, जिसे लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने एक ऐसी आदत के बारे में बताया है जो आपकी गट हेल्थ में तेजी से सुधार लाती है। ये आदत है रात में खाना खाने के बाद कुछ देर टहलना।

इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो हर दिन शाम के भोजन के बाद टहलना जरूरी मानते हैं। आपकी ये छोटी सी आदत पाचन, ब्लड शुगर के स्तर और पूरे स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

डॉक्टर सेठी के अनुसार, रात के खाने के बाद टहलने का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे पाचन क्रिया तेज होती है। आसान भाषा में कहें तो, टहलने से पाचन तंत्र की मांसपेशियां उत्तेजित होती हैं, जिससे खाना पेट और आंतों से अधिक कुशलता से गुजरता है। नतीजा लोगों को कम सूजन, कम एसिड रिफ्लक्स और कम कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

गैस और भारीपन में आराम

कई लोगों को भारी भोजन करने के बाद असहजता महसूस होती है, लेकिन हल्की-फुल्की वॉक भी पाचन तंत्र को अपना काम अधिक प्रभावी ढंग से करने में मदद कर सकती है। डॉक्टर सेठी बताते हैं कि आंतों की गतिशीलता का यह प्राकृतिक उत्तेजना ही एक कारण है कि खाने के बाद की सैर पाचन क्रिया में इतना आराम दे सकती है। आपकी ये एक आसान सी आदत शुगर स्पाइक को कम करती है। रात के खाने के बाद टहलने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल अचानक से नहीं बढ़ता है। खाने के बाद केवल 10 मिनट की वॉक भी रक्त शर्करा के स्तर में होने वाली उस अचानक बढ़ोत्तरी को काफी हद तक कम कर सकती है जो आमतौर पर खाने के बाद होती है। **(एजेंसी)**

गैस, कब्ज की समस्या को दूर करता है ये सीड्स

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, गलत खान-पान, जंक फूड और खराब लाइफस्टाइल के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं बेहद आम हो गई हैं। आज के समय में हर दूसरा व्यक्ति गैस, एसिडिटी, अपच और कब्ज से परेशान है। सुबह पेट ठीक से साफ न होने पर पूरा दिन थकान, चिड़चिड़ापन और भारीपन महसूस होता है। अगर लंबे समय तक कब्ज रहे, तो यह कई अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। ऐसे में मशहूर डॉक्टर सलीम जैदी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर ऐसे सीड्स के बारे में बताया है जिसका सेवन पेट की हर समस्या से छुटकारा दिला सकता है।

फाइबर से भरपूर: चिया सीड्स में घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं। यह आंतों की मुवमेंट को सुधारकर मल त्याग को आसान बनाते हैं, जिससे पुरानी कब्ज दूर होती है।

जेल जैसा टेक्सचर: जब आप चिया सीड्स को पानी में भिगोते हैं, तो वे अपने वजन से कई गुना अधिक पानी सोख लेते हैं और एक जेल जैसी टेक्सचर बना लेते हैं। यह जेल आंतों की अंदर से सफाई करने और मल को मुलायम बनाने में मदद करता है।

गट हेल्थ में सुधार: ये बीज आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या कम होती है।

वजन घटाने में मददगार: चिया सीड्स में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। जब आप इन्हें पानी में भिगोकर खाते हैं, तो यह पेट में जाकर फूल जाते हैं, जिससे लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और बार-बार भूख नहीं लगती।

हार्ट हेल्थ के लिए: चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

भिगोकर खाएं: कभी भी सूखे चिया सीड्स सीधे न खाएं। इसके लिए एक चम्मच चिया सीड्स को एक गिलास पानी, नींबू पानी, या नारियल पानी में 20 से 30 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। **(एजेंसी)**

मजेदार भी, हेल्दी भी, पीएम मोदी ने बताए आंवला के गुण जानिए आंवले के फायदे और इसे कैसे खाना चाहिए?

रविवार को पीएम मोदी ने मन की बात के 138वें एपिसोड में देश को संबोधित करते हुए आंवला के गुणों के बारे में बात की और इसके फायदे बताए। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे पूर्वज पीढ़ियों से आंवला के फायदों के बाते में बताते आ रहे हैं। आंवला का अचार, मुरब्बा, जूस और च्यवनप्राश हमारे घरों से सदियों से होता आ रहा है। यही आंवला अब उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ की पहचान बन रहा है। किसान और महिलाओं के लिए आंवला की खेती नए आर्थिक अवसर पैदा कर रही है। आइये जानते हैं आंवला के फायदे और इसका इस्तेमाल कैसे करना चाहिए?

आंवला पोषक तत्वों का भंडार है, इसमें पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं तो शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। आयुर्वेद में आंवला का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। आंवला अपने हाई विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। 100 ग्राम आंवला में संतरे से 20 गुना ज्यादा विटामिन सी पाया जाता है।



आंवला के फायदे

विटामिन से भरपूर- आचार्य बाल कृष्ण के मुताबिक आंवला में विटामिन सी बहुत ज्यादा होता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनती है। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर और दूसरे जरूरी विटामिन और खनिज भी पाए जाते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए- आंवले के गुणों की वजह से इस फल का सेवन शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है। इम्यूनिटी मजबूत होने से आप जल्दी बीमार नहीं पड़ते और शरीर को सर्दी, खांसी और फ्लू जैसे संक्रमणों से लड़ने में मदद मिलती है।

पाचन में सुधार- आंवला खाने से शरीर में फाइबर की कमी को भी पूरा किया जा सकता है। आंवला पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करता है, कब्ज को रोकता है। आवंला खाने से पेट फूलने की समस्या कम होती है और पेट को नेचुरली ठंडा रखता है, जिससे एसिडिटी कंट्रोल रहती है।

त्वचा को जवान बनाए- आंवला स्किन के लिए भी फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट गुण एंटी एजिंग का काम करते हैं। इसके सेवन से उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद मिलती है।

बालों के लिए फायदेमंद- आंवला का सेवन समय से पहले बालों को सफेद होने से रोकता है। इससे बालों के रोमों को मजबूत करने और डेंड्रफ को कम करने में मदद मिलती है।

डायबिटीज में फायदेमंद- आंवला का सेवन रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करता है। आंवला में क्रोमियम होता है, ये ऐसा मिनरल है जो कोशिकाओं को इंसुलिन के प्रति अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने में मदद करता है। इससे डायबिटीज के मरीज में ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल रहता है।

हार्ट के लिए असरदार- आंवला खाने से हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है। इससे खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करने और ट्राइग्लिसराइड्स घटाने में मदद मिलती है।

इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और धमनियों में प्लाक जमाव का खतरा कम होता है।

आयरन के अवशोषण को बढ़ाए- आयरन शरीर में तभी अच्छी तरह से लगता है जब आप इसके साथ विटामिन सी से भरपूर चीजें खाते हैं। अगर आप पालक, राजमा या रागी जैसे आयरन रिच फूड के साथ आंवला खाते हैं तो इससे आयरन का अवशोषण काफी बढ़ जाता है।

आंवला कैसे खाना चाहिए?

आंवला को आप अपने हिसाब से किसी भी तरह खा सकते हैं। ज्यादातर लोग आंवला का जूस पीना पसंद करते हैं। ताजा आंवला का जूस निकालकर पीना फायदेमंद होता है। इसके अलावा आंवला की चटनी, आंवले का मुरब्बा, आंवला का अचार और आंवला पाउडर का भी सेवन कर सकते हैं। **(एजेंसी)**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

मंगलवार 29 सितंबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

कोनी में 2 से 4 अक्टूबर तक निःशुल्क स्पाइन सर्जरी शिविर

बिलासपुर। कुमार साहब स्व. श्री दिलीप सिंह जुदेव जी शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, कोनी में स्पाइन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, मुंबई के सहयोग से 2 से 4 अक्टूबर 2026 तक निःशुल्क स्पाइन सर्जरी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में प्रदेश के स्पाइन रोग से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को विशेष उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर के लिए स्पाइन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, मुंबई के 9 वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम तथा शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जरी विभाग के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा मरीजों का उपचार किया जाएगा। स्पाइन रोग से पीड़ित मरीजों की 2 से 4 अक्टूबर तक आवश्यक जांच एवं शल्यक्रिया की जाएगी। हॉस्पिटल के संयुक्त संचालक सह चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि स्पाइन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, मुंबई के चिकित्सकों द्वारा इससे पूर्व 3 से 5 अप्रैल 2026 तक भी शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक स्पाइन सर्जरी शिविर आयोजित किया गया था।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला को

बिलासपुर। युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 30 सितंबर 2026 को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोनी, बिलासपुर में किया जाएगा। रोजगार मेले में सर्विस, फाइनेंस, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग एवं सिक्योरिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित 18 निजी नियोजकों द्वारा लगभग 1765 विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, बी.ई., बी.टेक आदि शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदक भाग ले सकते हैं। योग्य उम्मीदवारों को अपने दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड तथा समस्त शैक्षणिक योग्यताओं की अंकसूची/प्रमाण-पत्र की मूल प्रति एवं छायाप्रति के साथ उपस्थित होना होगा।

सुकमा के बाढ़ प्रभावित परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलेंगे 10-10 हजार रुपए अतिरिक्त

बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है सरकार : सीएम साय





रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुकमा जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाढ़ से प्रभावित शबरीनगर, श्रीनगर, लाइनपारा सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने राहत एवं स्वास्थ्य शिविरों में पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं एवं आवश्यकताएं जानीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ी है। बाढ़ से जिन परिवारों के मकान, घरेलू सामान अथवा अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, उन्हें नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के साथ राहत और पुनर्वास के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने शबरीनगर में स्थापित राहत एवं स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री राहत शिविर में रह रहे प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे और उन्हें स्वयं भोजन परोसकर आत्मीयता के साथ उनका हालचाल जाना।

मुख्यमंत्री बाढ़ प्रभावित परिवार के घर भी पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर बाढ़ के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों और हुए नुकसान की जानकारी ली तथा उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की कठिनाइयों को समझते हुए सहायता पहुंचाने में किसी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि 23 एवं 24 सितंबर को हुई अतिवृष्टि से सुकमा जिले के अनेक क्षेत्रों में बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति निर्मित हुई थी। प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के साथ स्वास्थ्य शिविर संचालित किए जा रहे हैं। जरूरतमंद परिवारों को तात्कालिक सहायता, सूखा राशन एवं गर्म वस्त्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच के साथ पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन और आवश्यक स्वच्छता संबंधी उपाय भी किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कोंटा क्षेत्र में भी बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। पिछले दिनों लगातार बारिश के कारण सबरी नदी में जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे के गांवों के साथ कोंटा नगर पालिका के चार वार्डों में पानी भर गया था। कोंटा क्षेत्र में प्रभावितों के 19 राहत केंद्रों में ठहरने, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों को देखा और प्रभावित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ से मकानों, घरेलू सामान तथा अन्य परिसंपत्तियों को हुए नुकसान का प्राथमिकता से आकलन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि पात्र प्रभावितों को आरबीसी 6-4 के प्रावधानों के तहत मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि शीघ्र प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री साय ने बाढ़ के कारण घरों में रखे सामान को नुकसान पहुंचने से प्रभावित परिवारों के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे करीब 300 प्रभावित परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी। यह राशि आरबीसी 6-4 के तहत पात्रता के अनुसार मिलने वाली सहायता के अतिरिक्त होगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को सामान्य जीवन की ओर लौटने में हर संभव सहयोग दिया जाए। क्षति के आकलन से लेकर सहायता राशि के वितरण तक पूरी प्रक्रिया संवेदनशीलता और तत्परता के साथ पूरी हो। कोई भी पात्र परिवार सहायता से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत के बाद अब पुनर्वास के कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाए।

छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में लोरमी का परचम, जयदीप दास वैष्णव ने जीते 4 गोल्ड मेडल

लोरमी ■ दैनन्दिनी



छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में लोरमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 26 एवं 27 सितंबर 2026 को भिलाई में किया गया।

इस प्रतियोगिता में लोरमी निवासी जयदीप दास वैष्णव ने मास्टर-1 (M1) वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 450 किलोग्राम वजन उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें चार गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। जयदीप दास वैष्णव के इस प्रदर्शन से लोरमी के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

वहीं लोरमी के ही दौलत जायसवाल एवं चंद्रशेखर यादव ने भी छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी सराहना की गई।

लोरमी के इन खिलाड़ियों की उपलब्धि से क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को पावरलिफ्टिंग जैसे खेलों में आगे बढ़ने और प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

लोरमी के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की अरुण साव ने की समीक्षा

बिलासपुर ■ दैनन्दिनी



उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्यक्रमों को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफलतापूर्वक आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में नोडल अधिकारियों ने प्रस्तावित गतिविधियों और अब तक की तैयारियों का पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप सेवा संकल्प अभियान केवल कार्यक्रमों के आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि शासन-प्रशासन को जनता के प्रति अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सेवाभावी बनाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान केवल आयोजन करना लक्ष्य नहीं है, बल्कि प्रत्येक गतिविधि के उद्देश्य को जनभागीदारी के माध्यम से धरातल पर उतारना महत्वपूर्ण है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों और संगठन के साथ समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिए।

श्री साव ने 7 अक्टूबर को मस्तूरी, बिल्हा, कोटा और तखतपुर विकासखंडों में सेवा ज्योति कलश यात्रा आयोजित करने के निर्देश दिए। यात्रा प्रत्येक ग्राम पंचायत से होकर सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का संदेश देगी। उन्होंने यात्रा के रूट चार्ट, सुरक्षा और जनभागीदारी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। यात्रा का समापन जिला मुख्यालय स्थित बहतराई स्टेडियम में होगा, जहां सभा आयोजित कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन को सुनने की व्यवस्था की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री ने ''सेवा का रंग, राष्ट्र के संग'' थीम पर सभी नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोली बनाने के निर्देश दिए। इसमें महिला स्व-सहायता समूहों, स्कूली छात्राओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित होने वाले ''आंगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम को उत्सव के रूप में आयोजित करने तथा गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और किशोरी बालिकाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जांच, पोषण परामर्श और शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

स्कूलों के आसपास पान ठेले और दुकानों की मौजूदगी पर सवाल, सेवा संकल्प में कार्रवाई की दरकार

कवर्धा ■ दैनन्दिनी



कबीरधाम जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत जनहित से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम और सेवा कार्य जारी हैं। इसी बीच बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण से जुड़े एक महत्वपूर्ण विषय पर संबंधित विभागों से विशेष अभियान चलाने की अपेक्षा की जा रही है।

कवर्धा, पंडरिया, बोडला, सहसपुर लोहारा, पांडातराई सहित नगर पालिका, नगर पंचायत क्षेत्रों तथा कस्बाई और ग्रामीण इलाकों के कई स्कूलों के आसपास पान ठेले, चाय और अन्य दुकानें संचालित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। हालांकि, प्रत्येक स्थान पर नियमों का उल्लंघन हो रहा है या नहीं, यह विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

स्कूलों के आसपास विद्यार्थियों की नियमित आवाजाही रहती है। ऐसे में दुकानों की गतिविधियों और वहां उपलब्ध सामग्री की निगरानी जरूरी है। सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 (COTPA) की धारा 6(ब) के तहत शैक्षणिक संस्थान की बाहरी सीमा से 100 गज के भीतर तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। नाबालिगों को तंबाकू उत्पाद बेचने पर भी रोक है। ऐसे में स्कूलों के आसपास संचालित दुकानों का नियमित निरीक्षण महत्वपूर्ण हो जाता है।

मामला केवल तंबाकू उत्पादों तक सीमित नहीं है। स्कूलों के आसपास संचालित चाय और खाद्य दुकानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा आवश्यक पंजीयन की भी जांच की जानी चाहिए। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत खाद्य कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठानों के लिए निर्धारित मानकों का पालन जरूरी है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर निरीक्षण और आवश्यकता के अनुसार नमूना जांच की जा सकती है।

बच्चों को नशीले पदार्थों से दूर रखने के लिए किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 77 में भी प्रावधान हैं। वहीं ई-सिगरेट के उत्पादन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन पर इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत प्रतिबंध है। ऐसे में स्कूलों के आसपास इन प्रावधानों के पालन की भी जांच आवश्यक है।

सेवा संकल्प के साथ विशेष अभियान की जरूरत

स्थानीय स्तर पर अपेक्षा यह है कि नियमों के दायरे में संचालित दुकानों पर अनावश्यक कार्रवाई के बजाय स्कूलों के आसपास लागू प्रावधानों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित किया जाए। प्रशासन द्वारा स्कूलवार सर्वे कराया जाए तो यह स्पष्ट हो सकता है कि कौन-सी दुकान 100 गज के दायरे में है, वहां तंबाकू या प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री तो नहीं हो रही और खाद्य दुकानों में आवश्यक नियमों का पालन हो रहा है या नहीं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिस तरह विभिन्न क्षेत्रों में जनसेवा के कार्य किए जा रहे हैं, उसी क्रम में स्कूलों के आसपास भी संयुक्त जांच अभियान चलाया जा सकता है। शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, पुलिस और नगरीय निकाय मिलकर निरीक्षण करें तो वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

जांच में यदि COTPA, किशोर न्याय अधिनियम, ई-सिगरेट निषेध अधिनियम, खाद्य सुरक्षा कानून या स्थानीय निकाय के नियमों का उल्लंघन मिलता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं नियमों के अनुरूप संचालित दुकानों के संबंध में स्पष्ट मापदंड अपनाना भी जरूरी है।

स्कूल बच्चों के भविष्य निर्माण का केंद्र हैं। इसलिए नियम केवल कागजों में नहीं, बल्कि स्कूलों के आसपास भी प्रभावी रूप से लागू हों, इसके लिए संबंधित विभागों द्वारा नियमित निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की जरूरत है।

SIR और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

कवर्धा ■ दैनन्दिनी



अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल के नेतृत्व में सोमवार को हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए SIR सहित चुनावी प्रक्रिया से जुड़े निर्णयों पर सवाल उठाए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि आज देश की जनता के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि केंद्र और भाजपा शासित राज्य सरकारों को लगातार जनविरोधी और किसान, युवा एवं आम जनता से जुड़े फैसले लेने का आत्मविश्वास आखिर कहां से मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि जनता महंगाई से परेशान है, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार जनता के आक्रोश और विरोध की अनदेखी कर रही है। विकास एवं निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोपों पर भी सरकार को जवाब देना चाहिए।

नवीन जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा जब सैंया भय चुनाव आयोग तो डर काहे का इसी सवाल का जवाब आज देश की जनता मांग रही है।

नवीन जायसवाल ने कहा कि हाल में सामने आई एक रिपोर्ट ने निर्वाचन आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। Indian Express की 25 सितंबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम-से-कम 14 बार आयोग के कुछ निर्णयों पर औपचारिक आपत्ति दर्ज की।

रिपोर्ट में नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता नामों को हटाने तथा मतदाता सूची से जुड़े IT सिस्टम के केंद्रीकरण सहित कई मुद्दों का उल्लेख किया गया है।

उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के भीतर ही निर्णय प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तो देश की जनता को इन सवालों का स्पष्ट और पारदर्शी जवाब मिलना चाहिए।

:- संपादकीय :-

विश्व जनमत की स्वीकृति

भारत के अभिन्न अंगों को आधिकारिक भारतीय मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए, इस रुख से देश को आश्वस्त करने के बाद सरकार को यह बताना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया? सोलहवीं सदी से इस्तेमाल हो रहे मर्केटर मानचित्र को बदलने के प्रस्ताव का संयुक्त राष्ट्र में समर्थन कर भारत ने उचित रुख अपनाया। पुराना नक्शा जाहिरा तौर पर औपनिवेशिक नजरिए से तैयार किया गया था, जिसे बदलना विश्व बहुमत की जीत समझा जाएगा। यह बात संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान में भी जाहिर हुई, जहां सिर्फ अमेरिका ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। आम तौर पर उसके पीछे चलने वाले छह देशों ने तटस्थ रुख अपनाया, जबकि भारत सहित 164 देशों ने मानचित्र बदलने का समर्थन किया। अतः बाद में जो हुआ, उसे नए नक्शे के समर्थन के भारत सरकार के फैसले से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह बेशक गहरे अफसोस की बात है कि बाद में संयुक्त राष्ट्र ने जो विश्व मानचित्र जारी किया, उसमें भारत की प्रादेशिक अखंडता का ख्याल नहीं रखा गया।इसमें जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान और चीन के साथ विवादित हिस्से के रूप में दिखाया गया है। उचित ही भारत सरकार ने उस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उसने स्पष्ट कहा है कि ऐसा कोई भी चित्रण, जो आधिकारिक भारतीय नक्शे से मेल नहीं खाता, वह पूर्णतः अमान्य और अस्वीकार्य है। भारतीय विदेश मंत्रालय दो-टूक कहा है कि भारत की प्रादेशिक अखंडता और संप्रभुता पर कोई बातचीत नहीं हो सकती। भारत के अभिन्न अंगों को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए।बहरहाल, इस रुख से देश को आश्वस्त करने के बाद भारत सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र इस भावना के खिलाफ क्यों गया? भारत के जिन इलाकों पर पाकिस्तान और चीन की निगाहें रही हैं, आखिर उनके बारे में विश्व समुदाय का बहुमत क्या सोचता है? हालांकि किसी बाहरी ताकत की सोच अपनी प्रादेशिक अखंडता की रक्षा करने के भारतीय आवाम के इरादे को नहीं डिगा सकती, फिर भी दुनिया में सम्मानित राष्ट्र के रूप खड़े रहने के लिए अपने पक्ष को विश्व जनमत की स्वीकृति दिलाना भी अनिवार्य है। इस बिंदु पर दुनिया में भारत की क्या स्थिति है, इस बारे में देशवासियों को भरोसे में लिया जाना चाहिए।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़

हरिशंकर व्यास

जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरूआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दशार्ता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा।



नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। जलवायुपरिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंगनेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए। भू-गर्भशास्त्रभारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए।

राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सोर्स नजर आ सकते हैं। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आपको भविष्य में बड़े फायदे होंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बन सकता है। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा जिससे कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। किसी योजना को शुरू करने के लिए आज का दिन अच्छा है, भविष्य में आपको काफी लाभ मिलेगा। घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद आपको मिलेगा। स्टूडेंट आज अपनी पढ़ाई में रुचि लेंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आप खुद को एनेर्जेटिक महसूस करेंगे। संयम बनाकर काम करने से.. आपके बिगड़ते काम भी बनेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन खास है, बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के एग्रोकेमिकल व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। छात्रों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आपके पक्ष में आयेगा। कहीं रुका हुआ पैसा आज वापस मिलेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनियर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके महत्वपूर्ण काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। साइंस से जुड़े बच्चों को अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। व्यापार के मामलों में साझेदार से विचार विमर्श करेंगे। प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों का समय अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के टैक्सटाइल व्यापारियों को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। कुछ छिपे विरोधी आपके बारे मे अफवाहें फैलाने के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसा कोई मौका ही न दें। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए डेली रूटीन में मेडिटेशन और योगा अपनाएं। आज भाई-बहन के साथ गेम्स खेलने का प्लान करेंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं, जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का कोई गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है। अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकालें, मन शांत रहेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी। शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। समाज हित में किये गये कामों की तारीफ होगी। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। परिवार में स्थिति ठीक रहेगी।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए ताजे फल खायें, फायदा मिलेगा। आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में लोग आज आपकी तारीफ करेंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। छात्र आज कोई प्रतियोगी परीक्षा का फॉर्म भरेंगे।

सू- दोकू क्र.173

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.172 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया — नीरज कुमार दुबे ।

कांग्रेस वंदे मातरम का विरोध क्यों करती है?

नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय की ऊंची दीवारों के पीछे से स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ पर सामने आया वह दृश्य, भारत के राजनीतिक इतिहास की सबसे पीड़ादायक और लज्जाजनक घटनाओं में से एक के रूप में याद किया जाएगा। देश ने कांग्रेस दफ्तर से बिना किसी काट-छांट वाला प्रसारित वह वीडियो देखा, जिसमें ध्वजारोहण समारोह के दौरान श्रीमती सोनिया गांधी ह्यवंदे मातरम्ह्ल के सम्पूर्ण गायन को रुकवाने का प्रयास करती नजर आ रही थीं। रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी उनकी बात का समर्थन करते हुए नाराजगी भरे स्वर में कह रहे थे कि ह्यहम वह संस्करण नहीं गाएंगे, हमारा गीत तो बस इतना ही है।ह्ल राष्ट्रीय गीत का यह अपमान महज निन्दाजनक और दंडयोग्य आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि वंदे मातरम् के प्रति नेहरू-गांधी परिवार और उनके नियंत्रण वाली कांग्रेस के उस तिरस्कार का खुला प्रदर्शन था, जो लगभग 9 दशकों से उनकी राजनीति और उनके रवैये में लगातार झलकता रहा है। यह सब तब हुआ, जब भारतीय संसद ने हाल ही में राष्ट्रीय सम्मान



अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित कर राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरम्ह्ल को राष्ट्रगान ह्यजन गण मनह्ल के समक्ष कानूनी मान्यता प्रदान की और वंदे मातरम् के सभी 6 पदों का गायन अनिवार्य किया। परिवार और पार्टी के वफादार और उनका पूरा ईकोसिस्टम इस कुकृत्य के बचाव में उतर आए। उन्होंने पहले यह कहानी गढ़ी कि सोनिया गांधी वंदे मातरम् के गायन में बाधा नहीं डाल रही थीं, बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बैठने के लिए कुर्सी लाने के लिए कह रही थीं। फिर दोपहर होते-होते उनका रुख बदल गया और वह अपने असली रंग में आ गए कि हम पूरा वंदे मातरम् नहीं गाएंगे। यहां तक कि संपूर्ण वंदे मातरम् की 2 पंक्तियां गाना भी उन्हें असहज कर देता है।

संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन में लगने वाले महज 3 मिनट 10 सैकेंड ने कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार के मन में भरे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के प्रति विद्वेष के साथ-साथ देशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव के हर प्रतीक के प्रति गहरे और घृणित पूर्वाग्रह को खुलकर सामने ला दिया। यह केवल इतिहास की पुनरावृत्ति नहीं थी, बल्कि इस बात का एक और उदाहरण था कि नेहरू-गांधी परिवार के नियंत्रण वाली कांग्रेस किस तरह बार-बार भारत की जनता की देशभक्ति की भावनाओं के विरुद्ध काम करती है। अक्तूबर 1937 में कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू ने कट्टरपंथी मोहम्मद अली जिन्ना और उनकी मुस्लिम लीग को खुश करने के लिए वंदे मातरम् को केवल 2 पदों तक सीमित कर दिया था। यह फैसला उस समय देश की व्यापक जनभावना के भी विपरीत था। वोट बैंक की राजनीति के लिए वंदे मातरम् की बलि चढ़ा दी और राष्ट्रीय भावना को आहत किया।जिन्ना की सांप्रदायिक मांगों के सामने नेहरू के समर्पण का परिणाम भारत के विभाजन और सांप्रदायिक आधार पर पाकिस्तान के निर्माण के रूप में सामने आया। बदला सिर्फ भारत का भूगोल नहीं था, विस्थापन, रक्तपात और सांप्रदायिक दंगों के बीच इस महान राष्ट्र का इतिहास भी बदल गया। भारत इस कांग्रेस और जिन्ना जनित विनाश से रक्तरंजित होकर निकला लेकिन एक राष्ट्र के रूप में हमारा संकल्प नहीं टूटा। वंदे मातरम्, भारत के इतिहास और संस्कृति के विरुद्ध किए गए अपने अपराधों के प्रति कांग्रेस कम-से-कम प्रतीकात्मक रूप से भी प्रायश्चित कर सकती थी। कांग्रेस के लिए यह स्व?णम अवसर था लेकिन दुर्भाग्यवश जिन्ना और मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस का मोह बना रहा और परिणामतः वंदे मातरम् के विरोध तथा उसके अपमान का सिलसिला भी जारी रहा।मार्च 1973 में संसद में हुई एक बहस के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने कांग्रेस से दो स्पष्ट प्रश्न पूछे थे-मुस्लिम लीग के साथ केरल में सरकार बना कर किसने साम्प्रदायिकता को जिंदा किया है? आजाद हिन्दुस्तान में मुस्लिम लीग की जरूरत क्या है? कांग्रेस तब से इन सवालों से बचती रही है, क्योंकि सच यह है कि वह खुद मुस्लिम लीग के साथ राजनीतिक संबंध रखती रही है और जिन्ना के विचार भी कांग्रेस के राजनीतिक दर्शन में किसी न किसी रूप में प्रतिनिधित्व पाते रहे हैं।

विचार

राजनीति में वार-प्रतिवार का अस्त्र न बने मिमिक्री



राजनीति की दृष्टि से इस मिमिक्री-प्रकरण का भले ही कुछ भी अर्थ हो, पर इसका एक सीधा-सा अर्थ यह भी है कि मिमिक्री ने हमारी राजनीति को एक घटियापन से जोड़ दिया है। वैसे भी राजनीति को ह्यशैतानों की अंतिम शरणस्थलीह्ल कहा गया है, पर राजनीतिक विरोधियों पर इस तरह के घटिया प्रहार हमारी राजनीति के ओछेपन को ही उजागर करते हैं।राजनीति की दुनिया की एक विवशता या विशेषता यह है कि उसमें किसी को अपना कहाझकिया कभी गलत नहीं लगता, और यदि यही सब विरोधी करे तो वह कभी सही नहीं माना जाता। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में इंदौर में दिखा जब लोकसभा में विपक्ष के नेता द्वारा चलाये जा रहे अभियान ह्यछात्रों की गूंजह्ल में एक मसखरे को मंच पर बुलाया गया। मसखरा शब्द में कुछ हल्कापन सुनाई देता है, शायद इसीलिए आज की पीढ़ी इसे अंग्रेजी में ह्यस्टेण्ड अप कॉमेडियनह्ल कहना पसंद करती है। नेता विपक्ष के उस कार्यक्रम में पता नहीं क्या सोचकर एक कामेडियन को सम्मिलित करना जरूरी समझा गया था, पर जो हुआ उसे देखकर अच्छा तो नहीं लगा। राजनेताओं की मिमिक्री अथवा नकल उतारना एक स्वाभाविक-सी बात मानी जाती है। इस मिमिक्री को देखने-सुनने वाले अक्सर इस पर हंस लेते हैं, और बात वहीं समाप्त हो जाती है। यह सही है कि राजनीति में मिमिक्री का उपयोग सिर्फ हंसने-हंसाने के लिए नहीं होता। उद्देश्य अपने विरोधी को नीचा दिखाना ही होता है, इसलिए जिसका मजाक उड़ाया जाता है, वह, और उसके समर्थक उसे सही नहीं मानते और मजाक उड़ाने वालों को वह कभी गलत नहीं लगता। इसीलिए जब इंदौर में राहुल गांधी की सभा में एक मसखरे को मंच पर बुलाकर प्रधानमंत्री की मिमिक्री करायी गयी

अस्सी का दशक और आभासी भ्रम के मजे

लोग भ्रम में जीने को उतावले हैं। उन्हें भ्रम में बने रहने में तात्कालिक सुख की अनुभूति होती है। लोगों को वोट के बाद बदलाव के भ्रम में जीने की आदत हो गई है।भ्रम बुरा, भ्रामक स्थिति दुखदायी और भ्रम में जीना कष्टप्रद है। बावजूद इसके लोग भ्रम में जीने को उतावले हैं। उन्हें भ्रम में बने रहने में तात्कालिक सुख की अनुभूति होती है। लोगों को वोट के बाद बदलाव के भ्रम में जीने की आदत हो गई है। इन दिनों उन्हें अस्सी के दशक में छलांग लगाकर पहुंच जाने का भ्रम बेचैन कर रहा है। किसी बूढ़े का अस्सी के दशक में जाने की लालसा वाजिब जान पड़ती है, लेकिन बच्चे भी उस दुनिया में कूद रहे हैं। मजा देखिए कि अस्सी के दशक में वे इस दुनिया में आए ही नहीं थे। आभासी दुनिया का भ्रम बड़े मजे का होता है।जनकलाल भी पीछे नहीं है। वह पीछे क्यों रहे भला? जन-जन के हाथ में मोबाइल है। डिजिटली समृद्ध है। मोबाइल उसके पास भी है। दिनभर की मेहनत से डेटा... पैसा कमाकर विकास की दौड़ में भागीदार बना हुआ है। एक दिन मोबाइल चलाकर पल भर में अस्सी के दशक में जा पहुंचा। इतनी देर में तो वह बीड़ी भी नहीं सुलगा पाता! जनकलाल अपने आप को बच्चन साहब की बेल-बॉटम और लंबी कॉलर की कमीज में देखकर खुश हो गया। होना ही था। बिना मेहनत चुटकियों में मिली खुशी मजे की होती है। वरना अस्सी के दशक में उसकी इतनी हैसियत कहां थी कि मोटी काली बेल्ट पर बेल-बॉटम चढ़ा सके। सामने से चपटी नोक वाले हाई हील के बूट पहन सके। बड़े-बड़े फूलों से उकेरी शर्ट के सबसे नीचे वाले किनारों में गांठ लगाकर स्टाइल से कहे, हम जहां खड़े हो जाते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है।जनकलाल ने अपनी बीवी को रिझाया, चल पगली! तू भी उस कोने में खड़ी हो जा। फटाफट से फोटू खींचकर अस्सी के दशक में पहुंचा देता हूं। तेरे बिखरे बालों में सुंदर फूल लगाकर, बड़ा-सा जूड़ा सजाता हूं। बुझी हुई आंखों में सुरमई कजरा लगाता हूं। मैली साड़ी की जगह रेशमी साड़ी पहनाता हूं। झाड़ू-पोछा की धूल हटाकर मुखड़े पर मखमली रूज जमाता हूं। जूठे बर्तनों को साफ करने से घिसे नाखूनों पर नेलपॉलिश लगाता हूं। चल हट, बड़ा आया!, जनकलाल की बीवी दूर छिटक गई, मुझे सपने न दिखाओ। अस्सी के दशक में न ले जाओ। मैं तो योजनाओं में ही भली हूं। व्यवस्था की लाड़ली बनी हूं। जनकलाल ने मोबाइल पर उंगली फेरी और बोला, धत्त तेरे की। तेरे चक्कर में मोबाइल का डेटा गया। बीवी ने गुस्से में आंखें तरेरीं और उनके बीच मोबाइल को लेकर बहस होने लगी। पति-पत्नी की बहसें कालजयी होती हैं। अस्सी के दशक से क्या लेना-देना?

शब्द सामर्थ्य -173

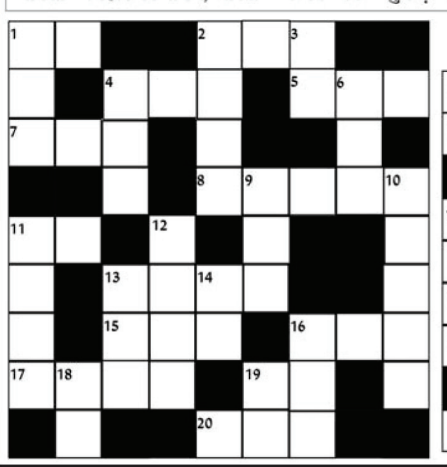
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 172 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	रों
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

चुनाव आयोग और देश से माफी मांगें राहुल गांधी : भाजपा

चुनाव आयोग के संयुक्त बयान से कांग्रेस और विपक्षी इंडी गठबंधन के झूठ का पर्दाफाश : अनिल चंद्राकर



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग के तीनों आयुक्तों द्वारा SIR (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर दिए गए संयुक्त बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि चुनाव आयोग के स्पष्ट बयान से कांग्रेस और विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों की वास्तविकता सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को चुनाव आयोग और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। इस दौरान गरियाबंद जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, जिला महामंत्री आशीष शर्मा, मंत्री सुरेन्द्र सोनटेके, बिंद्रानवागढ़ मंडल अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा भी उपस्थित थे।

भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि SIR से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे। भारत के चुनाव आयोग की दुनिया भर में साख है। उसके निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना विपक्ष की हताशा का प्रतीक है। कांग्रेस को ऐसी हरकतों से बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है। भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस को अब आरोपों और भ्रम की राजनीति से आगे बढ़कर तथ्यों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस को राजनीतिक स्तर पर अपेक्षित समर्थन नहीं मिलता, तब वह चुनाव आयोग सहित संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने का प्रयास करती है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल या नेता को संस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने से पहले उपलब्ध तथ्यों और आयोग के आधिकारिक स्पष्टीकरण को गंभीरता से देखना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी से अपने पूर्व आरोपों पर पुनर्विचार करने और देश की जनता के समक्ष स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। कहा कि अफसोस की बात यह है कि जिन विषयों को सुप्रीम कोर्ट तक सही ठहरा चुका है, उसकेखिलाफ भी कांग्रेस झूठ फैला रही है। फॉर्म-6 के घोषणापत्र समेत अनेक विषयों पर माननीय

सर्वोच्च न्यायालय से पहले ही पक्ष में निर्णय आ चुका है, फिर भी कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश करती रहती है। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब भी कांग्रेस जनता की अदालत में पराजित होती है, वह अपनी खीझ और हताशा निकालने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगती है। निर्वाचन आयोग के स्पष्ट और कड़े वक्तव्य ने विपक्ष के सभी झूठ और दुर्भावनापूर्ण प्रोपेगेंडा की हवा निकाल दी है।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में पहुंची जिला पंचायत सदस्य राजेश नंदनी आर्मो, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का किया सम्मान



गौरेला (दैनंदिनी ब्यूरो)। आज दिनांक 28 सितम्बर 2026 को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत निमधा के बस स्टैंड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य राजेश नंदनी आर्मो मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन बहनों को उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए साल, श्रीफल देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर श्रीमती आर्मो ने केंद्र में उपस्थित बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर चर्चा की और बच्चों के साथ विभिन्न खेलकूद गतिविधियों में स्वयं शामिल हुईं। उन्होंने बच्चों को फल वितरित किए, 6 माह के बच्चों का अन्नप्राशन कराया एवं गर्भवती बहनों की गोद भराई की रस्म पूरी कर सुखद एवं सुरक्षित मातृत्व की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी बहनों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग की सेक्टर सुपरवाइजर प्रभारी प्रमिला मरावी, ओम शांति ओम संस्था की उत्तरा दीदी, शिक्षक प्रदीप जायसवाल, महिला स्व सहायता समूह की PRP बिंदेश्वरी जायसवाल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रीति जायसवाल, शशि जायसवाल, मगली अगरिया, अघनिया बाई, तीरथ बाई, सहायिका सुमित्रा प्रजापति सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा में दिखा उत्साह, जिले के 1909 शिक्षार्थियों ने दी परीक्षा



एमसीबी (एजेंसी)। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नवभारत साक्षरता महापरीक्षा जिले में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिले के तीनों विकासखंडों मनेन्द्रगढ़, खड़गवां एवं भरतपुर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शिक्षार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ महापरीक्षा में सहभागिता की। जिले में महापरीक्षा के लिए कुल 201 परीक्षा केंद्रों पर 2042 शिक्षार्थियों का पंजीयन किया गया था, जिनमें से 1909 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। महापरीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई तथा शिक्षार्थियों की सुविधा और परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों, शिक्षकों, स्वयंसेवी शिक्षकों एवं मैदानी अमले ने सक्रिय भूमिका निभाई। जिले में आयोजित महापरीक्षा में विकासखंडवार भी उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के 92 परीक्षा केंद्रों में 527 शिक्षार्थियों का पंजीयन हुआ, जिसमें 497 शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। खड़गवां विकासखंड के 72 परीक्षा केंद्रों में 922 शिक्षार्थियों का पंजीयन किया गया, जिनमें 845 शिक्षार्थियों ने महापरीक्षा दी। वहीं भरतपुर विकासखंड के 37 परीक्षा केंद्रों में 593 शिक्षार्थियों का पंजीयन हुआ और 567 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इस प्रकार जिलेभर में कुल 201 परीक्षा केंद्रों पर पंजीकृत 2042 शिक्षार्थियों में से 1909 ने परीक्षा देकर साक्षरता की दिशा में अपने सीखने के सफर को आगे बढ़ाया। महापरीक्षा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा पहले से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। परीक्षा केंद्रों पर शिक्षार्थियों की उपस्थिति, बैठने की व्यवस्था और परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्वयंसेवी शिक्षकों और मैदानी अमले ने परीक्षा के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होने से उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रति जिले में दिखाई दे रही सामूहिक सहभागिता और जागरूकता भी सामने आई।

65 स्व-सहायता समूहों को 1.75 करोड़ रुपये से अधिक का बैंक क्रेडिट लिंकेज

जशपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' की भावना के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के तहत जशपुर जिले के कुनकुरी में आयोजित बैंक ऋण मेले में स्व-सहायता समूहों और हितग्राहियों को आजीविका गतिविधियों के विस्तार के लिए बड़ी मात्रा में ऋण स्वीकृत किया गया। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में 25 सितम्बर को जनपद पंचायत कुनकुरी के मंगल भवन सभाकक्ष में आयोजित बैंक ऋण मेले में 65 स्व-सहायता समूहों के लिए कुल 175.50 लाख रुपये का बैंक क्रेडिट लिंकेज स्वीकृत किया गया। इसके साथ ही 75 हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए कुल 72.20 लाख रुपये का मुद्रा ऋण स्वीकृत किया गया। बैंक क्रेडिट लिंकेज के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक कुनकुरी द्वारा 5 समूहों को 12 लाख रुपये, भारतीय स्टेट बैंक करंगाडीह द्वारा 32 समूहों को 73.50 लाख रुपये, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक बन्दरचुआं द्वारा 3 समूहों को 7.50 लाख रुपये, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक नारायणपुर द्वारा 10 समूहों को 28.50 लाख रुपये और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक कुनकुरी द्वारा 10 समूहों को 43.50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार इंडियन बैंक कुनकुरी द्वारा 3 समूहों को 7.50 लाख रुपये तथा पंजाब नेशनल बैंक कुनकुरी द्वारा 2 समूहों को 3 लाख रुपये का बैंक क्रेडिट लिंकेज स्वीकृत किया गया। मुद्रा ऋण के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक कुनकुरी ने 8 हितग्राहियों को 6.40 लाख रुपये, भारतीय स्टेट बैंक करंगाडीह ने 15 हितग्राहियों को 15 लाख रुपये, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक बन्दरचुआं ने 13 हितग्राहियों को 13 लाख रुपये, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक नारायणपुर ने 8 हितग्राहियों को 6.80 लाख रुपये तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक कुनकुरी ने 13 हितग्राहियों को 13 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया। इंडियन बैंक कुनकुरी द्वारा 15 हितग्राहियों को 15 लाख रुपये और पंजाब नेशनल बैंक कुनकुरी द्वारा 3 हितग्राहियों को 3 लाख रुपये का मुद्रा ऋण स्वीकृत किया गया।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने किया कलेक्ट्रेट का घेराव



मुंगेली (दैनंदिनी ब्यूरो)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों की जांच की मांग को लेकर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी मुंगेली ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया। जिलाध्यक्ष घनश्याम वर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन कर राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सभा को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और आयोग के आंतरिक कामकाज को लेकर कई सवाल उठे हैं। विपक्षी दलों और नागरिक समाज ने भी आयोग की निष्पक्षता को लेकर चिंता जताई है।

बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता रहे मौजूद

प्रदर्शन के दौरान थानेश्वर साहू, संजीत बनर्जी, दीपक गुप्ता, रोहित शुक्ला, हेमेंद्र गोस्वामी, चंद्रभान बारमते, स्वतंत्र मिश्रा, आत्मा सिंह क्षत्रिय,दिलीप बंजारा, मुकेश मिरी, लक्की गर्ग, एजाज खोखर, चुरावन मंगेशकर, लक्ष्मीकांत भास्कर, हिमांशु मिश्रा, स्वर्ण सिंह, राजेश छेदइया,जित्तू श्रीवास्तव, अभिलाष सिंह, मनीष त्रिपाठी, विद्यानंद चंद्राकर, बोगी बारमते, शोभा कश्यप, जग्गू ठाकुर, जैतराम खांडे, जय सोनी, इंद्रजीत कुर्रे, नीरज यादव, विष्णु खांडे, भूपेंद्र साहू, लल्ला सिंह ठाकुर, रामस्वरूप गुप्ता,तारिणी विश्वकर्मा, रामजी ध्रुव,देवा मा क र्ो , अ भि ला ष जा य स वा ल , अ भि ला ष सिंह,किशोर बैरागी,घनश्याम जा य स वा ल , आ दि त्य विश्वकर्मा,रवि कोशले,कुलदीप पाटले,संजय भण्डारी,टेकलाल निर्मलकर,मुकेश साहू, नेहरू हरू साहू,उमेश सोनी, वहाब खान,गवाल दास अनन्त,उधोराम अनन्त,तेज सिंह क्षत्रिय,महेन्द्र यादव,ओंकार पटेल,प्रेम प्रकाश,मानस काश्यप,त्रिलोकी वर्मा,अनिल जायसवाल,विष्णु खूंटे,तनिश ढीमर,खेम साहू,संपत जायसवाल,महेंद्र सिंह क्षत्रिय,आदित्य मरकाम, तोप सिंह,रतीराम आगरे,गोविंद मोहले,दिलीप सोनी,संजय चंदेल, कुलदीप पाटले, अजय साहू,श्रवण सोनकर,नारद देवांगन,सूरज यादव,सागर सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। वही महिला कांग्रेस से उर्मिला यादव, जागेश्वरी वर्मा, कृष्णा सतीश यादव,गुरमीत बग्गा तारण टंडन,दुर्गा बघेल, मायारानी, लता रानी वैष्णव, खुशबु वैष्णव, सविता पाठक, हेमिन मंगेशकर, , मंजू शर्मा, बिंदु यादव, सकीरा खान, अनीता विश्वकर्मा, ललिता सोनी, नूरजहां और वैशालीसोनी, सहित युवा कांग्रेस एवं कांग्रेस के पार्षद भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

30 सितंबर तक राशनकार्ड, खाद्यान्न वितरण और शिकायत निराकरण की मिलेगी जानकारी

राशन कार्ड संबंधी समस्या के लिए मो.नं. 9425201983 पर करें संपर्क

कोरबा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में 28 से 30 सितंबर तक जिला मुख्यालय एवं विकासखंड स्तर पर सेवा सेतु कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी।

खाद्य शाखा द्वारा जारी निर्देश के अनुसार कैंपों में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, वन नेशन वन राशनकार्ड, राशनकार्ड की पात्रता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित जानकारी दी जाएगी। राशनकार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी नागरिकों को बताया जाएगा। कैंपों में उचित मूल्य दुकान संचालकों के माध्यम से राशनकार्ड में पंजीकृत सदस्यों की ई-केवाईसी, आधार सीडिंग और मोबाइल नंबर सीडिंग का कार्य कराया जाएगा। खाद्यान्न एवं अन्य राशन सामग्री का सैंपल प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि हितग्राही वितरित सामग्री की जानकारी प्राप्त कर सकें। विभागीय योजनाओं और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से संबंधित पोस्टर तथा वीडियो क्लिप भी प्रदर्शित किए जाएंगे। सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी शिकायतों के लिए उपलब्ध माध्यमों की जानकारी भी कैंप में दी जाएगी। राषनकार्ड से जुड़ी समस्या के संबंध में निराकरण की जानकारी के लिए मो.नं. 9425201983 में संपर्क किया जा सकता है। नागरिकों को भारत सरकार के 'अन्न सहायता' पोर्टल, विभागीय कॉल सेंटर नंबर 1800-233-3663 तथा अन्य शिकायत निराकरण व्यवस्थाओं से अवगत कराया जाएगा।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने संबंधित अधिकारियों को कैंपों का आयोजन सुनिश्चित करने तथा उचित मूल्य दुकानों पर वितरित खाद्यान्न सामग्री के सैंपल प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए हैं।

'वोट चोरी' के आरोपों पर कांग्रेस का हल्लाबोल, रावणभाठा से कलेक्ट्रेट तक निकला विरोध मार्च

एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी और निर्णयों की समीक्षा की मांग



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। 'वोट चोरी' के आरोपों और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी गरियाबंद ने सोमवार को रावणभाठा मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया।इसके बाद बड़ी संख्या में कांग्रेस महिला पुरुष पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रावणभाठा से कलेक्ट्रेट कार्यालय तक विरोध मार्च निकालते हुए पहुंचे।जहां राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी,उनके निर्णयों की समीक्षा तथा कथित चुनावी अनियमितताओं की जांच की मांग की गई।कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पुतले का दहन कर विरोध दर्ज कराया।

ज्ञापन के पूर्व रावण भाटा मैदान में सभा का आयोजन कर जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मामलों में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

बेसरा ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर भाजपा को राजनीतिक लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया।उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की जांच कराई जाए और यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन अथवा आपराधिक कृत्य प्रमाणित होता है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने,हटाने और विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर देशभर में सवाल उठ रहे हैं।पार्टी का कहना है कि निर्वाचन आयोग को इन सवालों पर पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए।राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई और उनके निर्णयों की समीक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन किए हैं।

इस सभा के दौरान सुघर मल आड़े ने कहा कि मतदाता के अधिकार की रक्षा जरूरी है,उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता का वोट सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है।उनके अनुसार मतदाता सूची से जुड़े किसी भी प्रकार के विवाद या शिकायत की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए,ताकि आम मतदाता के मन में निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर किसी प्रकार की शंका न रहे।

वही जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने सभा के दौरान कहा कि पार्टी द्वारा लगाए जा रहे आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।उनका कहना था कि यदि निर्वाचन प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है तो जांच के माध्यम से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और यदि अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम से पशुओं का नस्ल सुधार

योहिनापाली के नीलाम्बर की बदली जिंदगी, 10 से बढ़कर 65 लीटर हुआ दूध उत्पादन



सारंगढ़ (वीएनएस)। ग्राम योहिनापाली, तहसील सारंगढ़ निवासी नीलाम्बर पटेल के लिए पशुपालन अब केवल रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने का जरिया नहीं रहा, बल्कि परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन गया है। कुछ वर्ष पहले उनके पास छह देशी नस्ल की गायें थीं, जिनसे प्रतिदिन 10 से 15 लीटर दूध ही मिल पाता था। कम उत्पादन के कारण आमदनी भी सीमित थी। राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का लाभ लेने और पशुपालन विभाग के मार्गदर्शन से उनके पशुधन में नस्ल सुधार हुआ और देखते ही देखते दूध उत्पादन में कई गुना वृद्धि हो गई।

नीलाम्बर ने अपनी गायों में कृत्रिम गर्भाधान कराया। इसके परिणामस्वरूप उनके पशुधन में उन्नत नस्ल के पशु शामिल हुए। वर्तमान में उनके पास 2 एच.एफ. क्रॉसब्रीड और 4 जर्सी क्रॉसब्रीड दुग्धारू गायें हैं। कृत्रिम गर्भाधान से प्राप्त जर्सी क्रॉसब्रीड बछिया भी उनके पशुधन का हिस्सा है, जिसे वे आने वाले समय में अपने डेयरी व्यवसाय के विस्तार की उम्मीद के रूप में देखते हैं।

उन्नत नस्ल की गायों से अब प्रतिदिन लगभग 60 से 65 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। नीलाम्बर दूध को स्थानीय निजी होटलों और ग्राहकों को लगभग 50 रुपए प्रति लीटर की दर से बेचते हैं। इससे प्रतिदिन करीब 2,400 से 2,600 रुपए की आमदनी होती है।

नमो सेवा गाथा के तहत नुक्कड़ नाटकों से दिया जनजागरूकता का संदेश



पेंड्रा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'नमो सेवा गाथा' पहल के तहत शिक्षा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से जीपीएम जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा यात्रा एवं जनकल्याणकारी प्रयासों के साथ-साथ सेवा, स्वच्छता, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण जैसे सामाजिक सरोकारों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

अभियान के तहत जनपद पंचायत पेंड्रा के ग्राम टंगियामार, जनपद पंचायत मरवाही के ग्राम उसाड़, बेलझरिया, चचेड़ी एवं मड़वाही तथा गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत बस्ती में नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। कलाकारों ने सरल संवाद, प्रभावी अभिनय और रोचक प्रस्तुतियों के माध्यम से सेवा एवं सामाजिक दायित्व का संदेश ग्रामीणों तक पहुंचाया।

नुक्कड़ नाटकों में विशेष रूप से नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को मनोरंजक एवं सहज तरीके से प्रस्तुत किया गया। ग्रामीणों को नशे से दूर रहने, घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने, पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्रामीणों ने नुक्कड़ नाटकों का उत्साहपूर्वक अवलोकन किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मनोरंजन के साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश भी प्रभावी ढंग से पहुंचाया। 'नमो सेवा गाथा' के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छ, स्वस्थ, नशामुक्त एवं पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

ईशा सिंह ने एशियन गेम्स में बढ़ाया देश का मान, 25 मीटर पिस्टल में जीता सिल्वर, मनु भाकर ने किया निराश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में उन्होंने चौथे स्थान पर खिसकने से खुद को बचाया, फिर सिल्वर के लिए शूट-ऑफ जीता और आखिर में गोल्ड के लिए टाई-ब्रेकर खेला, जहां चीन की शियाओ ने गोल्ड मेडल हासिल किया। इस बेहतरीन खेल के साथ ईशा ने एशियन गेम्स के रिकॉर्ड की बराबरी भी की। एशियन गेम्स 2026 में भारत अभी तक 39 मेडल जीत चुका है।



दबाव में ईशा ने की बेहतरीन वापसी

ईशा सिंह के लिए फाइनल की शुरुआत कठिन रही और वह तीसरे स्थान पर खिसक गईं, लेकिन उन्होंने दबाव में बेहतरीन वापसी की। 40 शॉट के बाद ईशा और नॉर्थ कोरिया की किम ह्योन सुक 34-34 अंकों की बराबरी पर थीं। इसके बाद दोनों के बीच तीसरे स्थान का फैसला करने के लिए रोमांचक शूट-ऑफ टाई-ब्रेकर खेला गया। तीसरे शूट-ऑफ में ईशा सिंह ने किम ह्योन सुक को 3-2 से हराकर कम से कम रजत पदक पक्का किया। किम को कांस्य पदक मिला।

गोल्ड मेडल मैच में चीन की खिलाड़ी से हुआ सामना

सिल्वर मेडल पक्का करने के बाद ईशा सिंह का मुकाबला गोल्ड मेडल के लिए चीन की जियारुइक्सुआन जियाओ से हुआ। दोनों का स्कोर 38-38 से बराबर रहने पर गोल्ड के लिए दो बार शूट-ऑफ हुआ। पहले शूट-ऑफ में दोनों ने 4-4 निशाने लगाए, लेकिन दूसरे शूट-ऑफ में जियाओ ने तीन और ईशा ने दो सटीक निशाने लगाए, जिससे चीन की खिलाड़ी ने गोल्ड जीता और ईशा को सिल्वर मेडल मिला। सिल्वर मेडल जीतने के साथ ही इस एशियन गेम्स में एक बार फिर भारतीय शूटर्स ने देश का मान बढ़ाया।

मनु भाकर फाइनल में जगह बनाने से चूकी

मनु भाकर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं और 11वें स्थान पर रहीं, जबकि भारत की टीम भी टॉप तीन में जगह नहीं बना सकी।

प्रिसिजन सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण मनु इससे पहले 10 मीटर एयर पिस्टल में भी पदक नहीं जीत सकी थीं। हालांकि, ईशा सिंह आठवें स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में सफल रहीं।

एशियन गेम्स : टीम इंडिया की बिना खेले एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी टीम भी अंतिम चार में अपनी सीट पक्की कर चुकी है। लेकिन मजे की बात ये है कि सेमीफाइनल में दोनों टीमें की भिड़ंत नहीं होगी। खास बात ये है कि भारत और पाकिस्तानी टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली थी, लेकिन दोनों ने बिना खेले ही आगे के राउंड के लिए अपनी सीट बुक कर ली है।



भारत और अफगानिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल मैच बारिश के कारण हो गया रद

एशियन गेम्स के क्वार्टर फाइनल में आज भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला होना था। जहां अफगानिस्तानी टीम अपने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी, वहीं टीम इंडिया को रैंकिंग के आधार पर सीधे वहां जगह मिल गई थी। उम्मीद की जा रही थी कि भारत और अफगानिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल में जबरदस्त भिड़त होगी और जो टीम जीतेगी, आगे जाएगी, लेकिन बारिश ने पूरा खेल ही खराब कर दिया। इस मैच को बिना एक भी बॉल डाले रद घोषित कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम अगले राउंड यानी सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

दरअसल भारत की रैंकिंग अफगानिस्तान से ज्यादा है, इसलिए उसे आगे की टिकट मिल गई और अफगानिस्तानी टीम अब टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

पाकिस्तान बनाम हांगकांग मैच भी बारिश के कारण नहीं हो पाया

आज ही यानी सोमवार को ही एक दूसरे क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तानी टीम का मुकाबला हांगकांग से होना था, ये मैच भारतीय समय अनुसार सुबह का था, लेकिन उसमें भी बारिश होती रही, इसलिए ये मैच भी नहीं हो पाया। पाकिस्तान की रैंकिंग हांगकांग से ज्यादा है, इसलिए उसे भी सेमीफाइनल में पहुंच दिया गया है। यानी सोमवार को जो दो मैच थे, दोनों नहीं हो पाए और आईसीसी रैंकिंग में बेहतर टीम आगे चली गई है।

अब एक अक्टूबर को होगा टीम इंडिया का सेमीफाइनल मैच

अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में 1 अक्टूबर को मैदान में उतरेगी। उसी दिन पाकिस्तानी टीम भी मैदान में उतरेगी। हालांकि इन दोनों के बीच सेमीफाइनल में भिड़ंत नहीं होगी।

अब 29 सितंबर यानी मंगलवार को एक सेमीफाइनल में पाकिस्तान और नेपाल की टीमें आमने सामने होंगी, वहीं दूसरे मैच में बांग्लादेश की टीम मलेशिया से भिड़ेगी। ये भी एक क्वार्टर फाइनल मैच है। अगर ये मैच भी नहीं हो पाए तो श्रीलंका और बांग्लादेश की टीम अगले राउंड यानी सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए कगिसो रबाडा की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 9 अक्टूबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है। इस सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की प्रिलिमनरी टीम में स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को शामिल किया गया है। रबाडा कुछ समय पहले ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गए थे और वहां उन्हें हैमस्ट्रिंग में इंजरी हो गई थी। वह फिलहाल इस चोट से उबर रहे हैं। वह पहले टेस्ट मैच में खेल पाएंगे या नहीं, इसका फैसला अगले हफ्ते होने वाले टीम के इंट्रा-स्कॉड मैच के बाद लिया जाएगा। इस चोट की वजह से रबाडा वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे।

लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और क्वेना मफाका भी जांघ की चोट से परेशान हैं, इसलिए उन्हें टीम में नहीं चुना गया है। दूसरी तरफ, एनरिक नॉर्खिया अब क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल नहीं हैं, फिर भी उन्हें 7 तेज गेंदबाजों की इस टीम में शामिल किया गया है। ऐसे में मार्च 2023 के बाद अब उनका पहला टेस्ट मैच खेलना लगभग तय माना जा रहा है। गेराल्ड कोएट्जी भी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच खेलकर इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था और अब नवंबर 2024 के बाद पहली बार उन्हें टेस्ट टीम में चुना गया है।

इनके अलावा तेज गेंदबाजी विभाग में कॉर्बिन बॉश, मार्को येनसेन, वियान मुल्डर और डेन पैटरसन को शामिल किया गया है। डेन पैटरसन इससे पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के फाइनल की दक्षिण अफ्रीकी टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। टीम में मार्केस एकरमैन इकलौते ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने अब तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। उन्होंने 'साउथ अफ्रीका ए' के लिए खेलते हुए 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं। अब वे टॉप-3 में बल्लेबाजी के लिए टोनी डी जोरजी, ट्रिस्टन स्टब्स और मुल्डर को टक्कर देंगे। अपनी शानदार फॉर्म की वजह से एकरमैन इस रेस में बाकी खिलाड़ियों से आगे निकल सकते हैं।

16 साल के क्रिकेट करियर में अब जाकर खेली सबसे बड़ी पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर का वनडे क्रिकेट करियर करीब 16 साल का हो गया है, लेकिन अब जाकर उन्होंने अपने जीवन की सबसे बड़ी पारी खेलने में कामयाबी हासिल की है। डेविड मिलर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में उन्होंने धमाकेदार सेंचुरी लगा दी। इसी की बदौलत साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज भी जीत ली है।

डेविड मिलर ने साल 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला वनडे मैच खेला था। तब से लेकर अब तक वे लगातार खेल रहे हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में उन्होंने 93 बॉल पर 142 रनों की धमाकेदार पारी खेली। ये उनके वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी है। इससे पहले उन्होंने साल 2018 में 108 बॉल पर 139 रनों की पारी खेली,

37 साल के खिलाड़ी ने किया कमाल



जिसे अब वे पार कर गए हैं। साल 2019 में उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ भी नाबाद 138 रन बनाए थे।

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में हराया

साउथ अफ्रीका के लिए खेलते हुए मिलर ने इस मैच में 12 चौके और 9 छक्के लगाए। यही वजह रही कि टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 365 रन बना दिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम 49.5 ओवर में केवल 333 रन ही बन सकी और मैच 32 रन से हार गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने 84 रन बनाए। सीरीज का पहला मैच भी ऑस्ट्रेलियाई टीम हार गई थी, इस तरह से तीन मैचों की सीरीज पर साउथ अफ्रीका ने कब्जा कर लिया है।

अब तक ऐसा रहा है डेविड मिलर का करियर

अब तक डेविड मिलर 180 वनडे मैच खेलकर 4762 रन बनाए हैं। इसमें आठ शतक और 24 अर्धशतक शामिल हैं। यहां उनका स्ट्राइक रेट 104.31 का है। अब तक 140 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर मिलर ने 2804 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम दो शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। हालांकि वे टेस्ट नहीं खेल पाए। मिलर अब 37 से अधिक साल के हो गए हैं। उनका करियर अब ज्यादा नहीं बचा है, लेकिन ढलती उम्र में भी मिलर जबरदस्त बल्लेबाजी कर रहे हैं। मिलर के इस शानदार शतक ने उनका करियर कुछ और दिन के लिए बढ़ा दिया है।

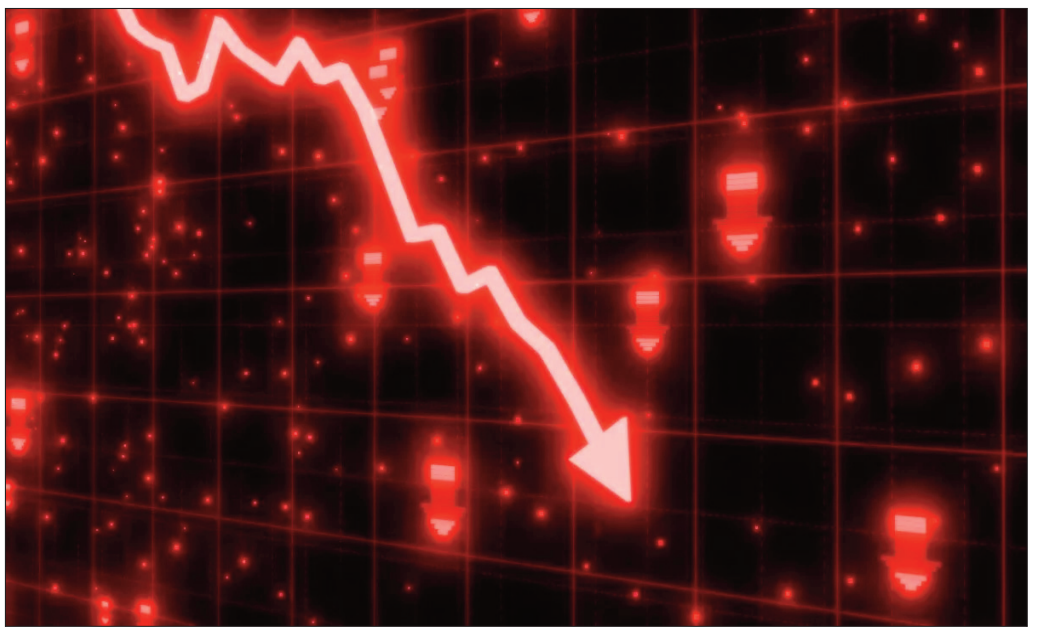
व्यापार

शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद, निवेशकों के डूबे 8 लाख करोड़

मुंबई (एजेंसी)। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली। बढ़ते ईरान-अमेरिका तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों और बॉन्ड यील्ड में तेजी ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसका असर बाजार पर साफ दिखाई दिया और सेंसेक्स-निफ्टी करीब 1.5 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। इस गिरावट के चलते BSE पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप करीब ₹8 लाख करोड़ घटकर लगभग ₹474 लाख करोड़ रह गया।

सेंसेक्स 1124 अंक टूटा, निफ्टी 22,800 के नीचे

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,124.02 अंक यानी 1.52% गिरकर 72,771.72 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 50 360.25 अंक यानी 1.56% टूटकर 22,780.25 पर पहुंच गया। बाजार में बिकवाली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि NSE पर करीब 2,716 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि सिर्फ 869 शेयरों में तेजी रही। 91 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।



30 में से 29 सेंसेक्स शेयर लाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 29 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। L&T और पावर ग्रिड में करीब 3% की गिरावट रही। अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसबीआई के शेयर भी 2% से ज्यादा टूटे। इसके उलट इन्फोसिस सेंसेक्स का एकमात्र ऐसा शेयर रहा, जो मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी में जियो फाइनेंशियल, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अदानी एंटरप्राइजेज और अदानी पोर्ट्स प्रमुख गिरावट वाले शेयर रहे। डॉ. रेड्डीज लैब्स Dr Reddy's Labs और इन्फोसिस में बढ़त देखने को मिली।

सभी सेक्टरल इंडेक्स लाल निशान में

सोमवार की बिकवाली किसी एक सेक्टर तक सीमित नहीं रही। सभी प्रमुख सेक्टरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक में 3% से ज्यादा की गिरावट आई, जबकि टेलीकॉम इंडेक्स करीब 2% नीचे रहा। इसके अलावा ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल, प्राइवेट बैंक और रियल्टी समेत कई सेक्टरों में 1 से 2% तक की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 भी करीब 2% फिसल गए।

क्यों टूटा बाजार?

बाजार में गिरावट की बड़ी वजह बढ़ता ईरान-अमेरिका तनाव रहा। तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत को लेकर चिंता बढ़ी। इसके साथ अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने भी निवेशकों के बीच दबाव बढ़ाया। बाजार में डर का स्तर भी बढ़ा।

इंडिया VIX करीब 12% उछलकर 14 के आसपास पहुंच गया। इससे सोमवार के कारोबार में निवेशकों के बीच बढ़ी हुई अस्थिरता साफ दिखाई दी।

चांदी के भाव में 6600 तक की भारी गिरावट 3200 से ज्यादा गिरी सोने की कीमतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज गिरावट देखने को मिल रही है। हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन में जहां सोने के भाव में 1.70 प्रतिशत से भी ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है, तो वहीं दूसरी तरफ चांदी की कीमतें 2.50 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार कर रही हैं।

सोने के भाव में 3200 रुपये से ज्यादा तक की गिरावट

सोमवार को सुबह लगभग 10.25 बजे, MCX पर 5 अक्टूबर की डिलीवरी वाला सोना 2596 रुपये (1.72 प्रतिशत) की बड़ी गिरावट के साथ 1,48,285 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा था। आज सोने ने 781 रुपये गिरकर 1,50,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार शुरू किया था, जो पिछले हफ्ते शुक्रवार को 1,50,881 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। खबर लिखे जाने तक, सोने का भाव 1,50,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे हाई (आज का ओपनिंग प्राइस) से लेकर 1,47,667 रुपये प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे लो तक पहुंच चुका था। यानी, शुक्रवार के बंद भाव की तुलना में आज सोने की कीमतें 3214 रुपये तक गिर चुकी हैं।

6661 रुपये तक नीचे आई चांदी की कीमतें

सोने के अलावा, आज चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखी जा रही है। MCX पर 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 6038 रुपये (0.2.57 प्रतिशत) की भारी गिरावट के साथ 2,28,658 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार कर रही थी। आज चांदी ने 2396 रुपये के नुकसान के साथ 2,32,300 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार शुरू किया था, जो पिछले हफ्ते शुक्रवार को 2,34,696 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई थी। खबर लिखे जाने तक, चांदी का भाव 2,32,300 रुपये प्रति किलोग्राम के इंट्राडे हाई से लेकर 2,28,035 रुपये प्रति किलोग्राम के इंट्राडे लो तक पहुंच चुका था। यानी, शुक्रवार के बंद भाव की तुलना में आज चांदी का भाव 6661 रुपये तक गिर चुका है। बताते चलें कि कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट्स ने सोने और चांदी की कीमतों को लेकर कहा था कि बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में इस हफ्ते में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। अमेरिका के आर्थिक आंकड़े, पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की कीमतें इस हफ्ते भी सोने-चांदी की कीमतों को प्रभावित करेंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने UPI ट्रांजैक्शन पर फीस वसूलने के फैसले पर रोक लगाने से किया इनकार, मामले में जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर कारोबारियों से MDR (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) वसूले जाने के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले में केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, नेशनल पेमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) और UPI स्टीयरिंग कमेटी को नोटिस जारी किया है और 4 हफ्तों में जवाब मांगा है।

MDR कोई फीस है, टैक्स है या कुछ और है?

कारोबारियों से 2000 रुपये से ज्यादा का यूपीआई भुगतान स्वीकार करने पर MDR चार्ज वसूले जाने के सरकार के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। वकील अंजन दत्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि यूपीआई ट्रांजैक्शन पर कारोबारियों से वसूला जाने वाला एमडीआर कोई फीस है, टैक्स है या कुछ और है?

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने जारी किया नोटिस

अंजन दत्ता द्वारा दायर की गई याचिका में इस संबंध में 14 दिसंबर को जारी की गई अधिसूचना और 15 सितंबर को जारी किए गए MDR फ्रेमवर्क को रद्द करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि सरकार ने बिना पर्याप्त कानूनी आधार के ये फैसला लिया है।



इस पूरे मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, नेशनल पेमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) और UPI स्टीयरिंग कमेटी को नोटिस जारी किया है।

सरकार ने 2000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर को दी है मंजूरी

दरअसल, केंद्र सरकार ने मर्चेंट को किए जाने वाले 2000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर को मंजूरी दे दी थी। 2000 रुपये तक के सभी तरह के यूपीआई ट्रांजैक्शन पूरी तरह से फ्री रहेंगे।

इसके अलावा, दो व्यक्तियों के सामान्य यूपीआई अकाउंट के बीच होने वाला ट्रांजैक्शन भी पूरी तरह से फ्री होगा। सरकार ने अभी हाल ही में साफ किया था कि MDR टैक्स नहीं है। ये एक फीस है, जिसे बैंकों और यूपीआई प्लेटफॉर्म्स के बीच बांटा जाएगा। ये नया सिस्टम 15 अक्टूबर से लागू होना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने MDR पर दिया था बयान

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल अगस्त की शुरुआत में कहा था कि एमडीआर फीस ग्राहकों पर नहीं, बल्कि कारोबारियों पर लागू होता है और इससे मिलने वाली राशि का इस्तेमाल बैंक और फिनटेक कंपनियां इंफ्रा और सिक्योरिटी में सुधार करने में करती हैं।

7.84 लाख में Renault ने लॉन्च की दमदार 7-सीटर कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बाजार में 7-सीटर कार खरीदने वालों के लिए रेनो (Renault) ने नया ऑप्शन पेश किया है। कंपनी ने अपनी लोकप्रिय रेनो ट्राइबर (Renault Triber) का टर्बो वर्जन लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.84 लाख रखी गई है। खास बात यह है कि कम कीमत वाली इस 7-सीटर MPV में अब पहले से ज्यादा दमदार टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है। कंपनी के मुताबिक, यह कार 21 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। रेनो ट्राइबर टर्बो में 1.0-लीटर, 3-सिलेंडर HR10 टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है। यही इंजन कंपनी की Kiger और Duster जैसी कारों में भी इस्तेमाल होता है। हालांकि, ट्राइबर टर्बो में इंजन मैनेजमेंट सिस्टम को अलग तरीके से ट्यून किया गया है। यह इंजन 100hp की पावर और 180Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

प्रोटॉन थेरेपी से कैंसर उपचार में नई सटीकता

एसीटीआरईसी में उन्नत प्रोटॉन उपचार ने भारत में कैंसर चिकित्सा के क्षेत्र में जोड़ा अत्यधिक सटीक उपचार का एक नया विकल्प

- रमेश जायभाये

मुंबई (पीआईबी)। किसी परिवार को जब पहली बार यह सुनने को मिलता है कि "कैंसर है", तो उसके मन में सबसे पहले तकनीक से जुड़े सवाल नहीं आते। सवाल बेहद सरल होते हैं—क्या इसका इलाज संभव है? कहां उपचार कराया जाए? किस तरह का उपचार जरूरी होगा? और क्या इलाज के दौरान शरीर के स्वस्थ हिस्सों को सुरक्षित रखा जा सकता है?

ये सवाल तब और महत्वपूर्ण हो जाते हैं, जब ट्यूमर किसी महत्वपूर्ण अंग के बेहद करीब हो या किसी बच्चे को रेडिएशन उपचार की जरूरत हो और उसका शरीर अभी विकास की अवस्था में हो।

ऐसी परिस्थितियों में प्रोटॉन थेरेपी कैंसर उपचार का एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त विकल्प बनकर सामने आई है।

मुंबई के नवी मुंबई स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) में प्रोटॉन बीम थेरेपी ने भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कैंसर चिकित्सा व्यवस्था में रेडिएशन उपचार का एक अत्यंत सटीक विकल्प उपलब्ध कराया है। हालांकि प्रोटॉन थेरेपी एसीटीआरईसी के व्यापक कैंसर नियंत्रण प्रयास का केवल एक हिस्सा है। संस्थान में कैंसर की रोकथाम, शुरुआती पहचान, उपचार और अनुसंधान को एक-दूसरे से जोड़कर काम किया जाता है।

एसीटीआरईसी भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन अनुदान सहायता प्राप्त संस्थान है और टाटा मेमोरियल सेंटर का हिस्सा है।

रोकथाम अब भी पहला कदम

भारत में कैंसर का बढ़ता बोझ उपचार सुविधाओं पर दबाव बढ़ा रहा है। एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) के निदेशक डॉ. पंकज चतुर्वेदी इस बात पर जोर देते हैं कि केवल अस्पतालों और उपचार सुविधाओं का विस्तार इस चुनौती का समाधान नहीं है। रोकथाम योग्य कैंसर के मामलों को कम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

इस प्रयास में तंबाकू एक प्रमुख मुद्दा है। धूम्रपान तथा धुआं रहित या चबाने वाले तंबाकू का सेवन विशेष रूप से मुंह और फेफड़ों के कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर से जुड़ा है। इसलिए तंबाकू छोड़ने में सहायता करना कैंसर की शुरुआत से पहले ही हस्तक्षेप का अवसर देता है।

तंबाकू छोड़ने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए तंबाकू-निरोधक सेवाएं और क्विटलाइन सहायता उपलब्ध करा सकती हैं।

मुंह के कैंसर के मामले में लंबे समय तक बने रहने वाले बदलावों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। खासकर तंबाकू का सेवन करने वालों में ऐसा घाव जो ठीक न हो, असामान्य धब्बा या सूजन शुरुआती जांच का संकेत हो सकता है।

एसीटीआरईसी के सेंटर फॉर कैंसर एपिडेमियोलॉजी (सीसीई) की उप निदेशक डॉ. गौरवी मिश्रा कैंसर नियंत्रण के व्यापक जनसंख्या आधारित पहलू पर काम करती हैं। महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन से यह समझने में मदद मिलती है कि कैंसर के मामले किन क्षेत्रों और आबादी में अधिक हैं तथा रोकथाम और शुरुआती पहचान के प्रयासों को कहां मजबूत किया जाना चाहिए।

गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर रोकथाम और शुरुआती पहचान के महत्व को स्पष्ट करता है। इसमें एचपीवी टीकाकरण और स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, स्तन कैंसर के मामले में समय पर पहचान उपचार प्रबंधन को प्रभावित कर सकती है।

एसीटीआरईसी में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज कैंसर उपचार में शुरुआती निदान के महत्व को रेखांकित करती हैं।

प्रोटॉन थेरेपी: जहां सटीकता मायने रखती है

जिन मरीजों को रेडिएशन उपचार की आवश्यकता होती है, उनके लिए उद्देश्य केवल ट्यूमर को नष्ट करना नहीं होता। उपचार के दौरान आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन को कम करना भी महत्वपूर्ण होता है।

यहीं प्रोटॉन थेरेपी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

पारंपरिक रेडिएशन उपचार में सामान्यतः फोटॉन या एक्स-रे का उपयोग होता है, जबकि प्रोटॉन थेरेपी में आवेशित प्रोटॉन कणों का उपयोग किया जाता है। इनके भौतिक गुण चिकित्सकों को चयनित ट्यूमर पर उपचार की आवश्यक खुराक को अधिक सटीकता से केंद्रित करने और आसपास के सामान्य ऊतकों पर रेडिएशन के प्रभाव को कम करने का अवसर देते हैं।

एसीटीआरईसी के अनुसार, प्रोटॉन थेरेपी विशेष रूप से बच्चों, मस्तिष्क और रीढ़ के ट्यूमर, सिर एवं गर्दन के ट्यूमर—जिनमें खोपड़ी के आधार और पैरानैसल साइनस के ट्यूमर शामिल हैं—तथा हड्डी और सॉफ्ट-टिश्यू ट्यूमर के मामलों में उपयोगी हो सकती है। अन्य कैंसर में इसकी भूमिका पर भी अनुसंधान जारी है।

बच्चों के मामले में यह तकनीक विशेष महत्व रखती है। उनका शरीर अभी विकसित हो रहा होता है और स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन को सीमित करना दीर्घकालिक प्रभावों को कम करने में मदद कर सकता है। एसीटीआरईसी की सुविधा में बहुत छोटे बच्चों के उपचार के दौरान एनेस्थीसिया की व्यवस्था भी है।

पारंपरिक रेडिएशन उपचार में सामान्यतः फोटॉन या एक्स-रे का उपयोग होता है, जबकि प्रोटॉन थेरेपी में आवेशित प्रोटॉन कणों का उपयोग किया जाता है। इनके भौतिक गुण चिकित्सकों को चयनित ट्यूमर पर उपचार की आवश्यक खुराक को अधिक सटीकता से केंद्रित करने और आसपास के सामान्य ऊतकों पर रेडिएशन के प्रभाव को कम करने का अवसर देते हैं।

एसीटीआरईसी की प्रोटॉन सुविधा को मई 2023 में राष्ट्र को समर्पित किया गया और अगस्त 2023 में यहां मरीजों का उपचार शुरू हुआ। इसमें 360 डिग्री घूमने वाली गैण्ट्री वाली तीन उपचार कक्ष हैं। यहां पेंसिल बीम स्कैनिंग तकनीक के माध्यम से इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड प्रोटॉन थेरेपी (आईएमपीटी) दी जा सकती है। रोबोटिक ट्रीटमेंट काउच मरीज की सटीक स्थिति सुनिश्चित करने में सहायता करते हैं।

हालांकि प्रोटॉन थेरेपी हर कैंसर मरीज के लिए उपयुक्त नहीं है।

एसीटीआरईसी में विशेषज्ञों की रोग-विशिष्ट टीम यह तय करती है कि किसी मरीज और उसके ट्यूमर को प्रोटॉन थेरेपी से वास्तविक लाभ मिलने की संभावना है या नहीं।

इसलिए प्रोटॉन थेरेपी पारंपरिक रेडिएशन उपचार का विकल्प नहीं, बल्कि उपयुक्त मरीजों के लिए उपलब्ध एक अतिरिक्त और अत्यधिक सटीक उपचार विकल्प है।

भारत में अभी सीमित केंद्रों पर उपलब्ध

एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी की उपलब्धता का महत्व केवल इसकी अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है।

सरकारी जानकारी के अनुसार भारत में वर्तमान में दो परिचालित प्रोटॉन थेरेपी केंद्र हैं—नवी मुंबई में एसीटीआरईसी और चेन्नई में अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर। फरवरी 2026 में लोकसभा में दिए गए एक उत्तर के अनुसार, टाटा मेमोरियल सेंटर ने 31 दिसंबर 2025 तक एसीटीआरईसी में 748 मरीजों का उपचार किया था।

इस सुविधा में उपचार की पहुंच पर भी ध्यान दिया गया है। सरकारी जानकारी के अनुसार, सुविधा शुरू होने के बाद 541 मरीजों को एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी दी गई, जिनमें 65 प्रतिशत मरीजों का उपचार रियायती दर पर हुआ, जबकि 27 प्रतिशत मरीजों को रोगी कल्याण और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहायता के माध्यम से निशुल्क उपचार या आर्थिक सहायता मिली।

मरीजों और परिवारों के लिए इसका महत्व केवल अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि ऐसी विशेष चिकित्सा जरूरतमंद मरीजों तक कितनी पहुंच बना सकती है।

उपचार के पीछे अनुसंधान

एसीटीआरईसी का प्रोटॉन कार्यक्रम केवल मरीजों के उपचार तक सीमित नहीं है। संस्थान पार्टिकल थेरेपी की भूमिका पर अनुसंधान भी कर रहा है। इसमें रेडिएशन बायोलॉजी, पार्टिकल फिजिक्स, तकनीकी मूल्यांकन और स्वास्थ्य-अर्थशास्त्र जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

एसीटीआरईसी के कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआई) के उप निदेशक डॉ. सोराब दलाल भविष्य की कैंसर चिकित्सा विकसित करने में मूलभूत अनुसंधान के महत्व पर जोर देते हैं।

कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट में वैज्ञानिक कैंसर की जैविक प्रकृति का अध्ययन करते हैं और यह समझने का प्रयास करते हैं कि प्रयोगशाला में प्राप्त निष्कर्षों को भविष्य में मरीजों के उपचार तक कैसे पहुंचाया जा सकता है।

शोधकर्ता भारतीय मरीजों पर आधारित ट्यूमर मॉडल और वंशानुगत कैंसर सिंड्रोम पर भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा औषधीय पौधों, रेडियोआइसोटोप, पहले से उपलब्ध दवाओं के नए उपयोग तथा नए यौगिक विकसित करने जैसे क्षेत्रों में भी अनुसंधान किया जा रहा है।

किसी भी संभावित उपचार पद्धति को मरीजों तक पहुंचाने से पहले वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से उसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता स्थापित करना आवश्यक है।

तकनीक से आगे उपचार की पहुंच

उन्नत उपचार के लिए केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। इसके लिए बुनियादी ढांचा, विशेषज्ञता और संस्थागत सहयोग भी आवश्यक है।

एसीटीआरईसी के उप निदेशक डॉ. नवीन खत्री संस्थान की व्यापक नैदानिक और संस्थागत क्षमता को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

एसीटीआरईसी अपनी उपचार सुविधाओं का विस्तार भी कर रहा है। इनमें 370 बिस्तरों वाले हेमेटोलिम्फॉइड ब्लॉक और 12-लीनियर-एक्सीलरेटर आईआरओसी सुविधा जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

टाटा मेमोरियल सेंटर व्यापक नेशनल कैंसर ग्रिड का भी हिस्सा है, जो कैंसर संस्थानों को जोड़ने और विशेषज्ञता तथा उपचार मानकों के आदान-प्रदान में सहायता करता है।

सटीकता का उद्देश्य

कैंसर की लड़ाई रेडिएशन मशीन से शुरू नहीं होती। यह जोखिम को समझने, रोकथाम योग्य बीमारी को कम करने और लक्षणों की समय पर पहचान से शुरू होती है।

लेकिन जब कैंसर हो जाता है, तब उपचार के विकल्प भी लगातार विकसित हो रहे हैं।

एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी ऐसा ही एक विकल्प है—ऐसी तकनीक जो चयनित मामलों में आसपास के स्वस्थ ऊतकों को बचाते हुए ट्यूमर तक रेडिएशन अधिक सटीकता से पहुंचाने का अवसर देती है।

इसका महत्व केवल तकनीक की जटिलता में नहीं, बल्कि इस बात में है कि क्या सही मरीज के लिए सही उपचार सही समय पर उपलब्ध हो सकता है।

यही वह बिंदु है जहां प्रोटॉन थेरेपी, चिकित्सकीय विशेषज्ञता और कैंसर अनुसंधान एक-दूसरे से जुड़ते हैं।

कैंसर उपचार का भविष्य केवल बीमारी का अधिक प्रभावी उपचार करने में नहीं, बल्कि प्रत्येक मरीज के लिए उपयुक्त उपचार पहचानने और उसे जरूरत के समय सुलभ बनाने में भी निहित है।

लखनऊ में छत्तीसगढ़ के सौरव साहू ने लहराया परचम, पुरुष युगल का खिताब किया अपने नाम



लखनऊ (दैनंदिनी ब्यूरो)। लखनऊ में आयोजित ऑल इंडिया रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान बैडमिंटन खिलाड़ी सौरव साहू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष युगल (Men's Doubles) का खिताब अपने नाम किया।

सौरव साहू और अर्श मोहम्मद की जोड़ी ने फाइनल में कर्नाटक के सुमिथ ए. आर. एवं आर्या टी. की जोड़ी को सीधे दो गेमों में 15-7, 15-12 से हराकर खिताब जीता।

अन्य फाइनल मुकाबलों के परिणाम

महिला एकल (WS): जिया रावत [3] ने रिजुल सैनी [4] को 15-12, 12-15, 15-11 से हराया।

पुरुष एकल (MS): गिनपॉल सोन्ना [3] ने रावी [2] को 15-13, 15-9 से पराजित किया।

महिला युगल (WD): अदिति भट्ट [4] एवं श्रावणी वालेकर ने नयना एस. ओएसिस [2] एवं वर्षिणी विश्वनाथ श्री को 15-10, 15-8 से हराया।

पुरुष युगल (MD): अर्श मोहम्मद [7] एवं सौरव साहू ने सुमिथ ए. आर. [Q] एवं आर्या टी. को 15-7, 15-12 से हराया।

सौरव साहू वर्तमान में गुवाहाटी स्थित नेशनल एक्सीलेंस बैडमिंटन सेंटर में छत्तीसगढ़ के मुख्य कोच संयम शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वहीं, लखनऊ में उन्होंने कोच संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में बेसिक एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

सौरव साहू की इस उपलब्धि से छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। उनकी सफलता पर परिवार, प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों एवं प्रदेश के खेलप्रेमियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

नशामुक्ति और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल का लिया संकल्प

राजनांदगांव। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में आज जिला चिकित्सालय राजनांदगांव के कांफ्रेंस हॉल में नशामुक्ति एवं वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यालयों एवं शासकीय बौद्धिक दिव्यांगता वाले विशेष विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं माय भारत के स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान अंतर्गत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्ति का संदेश एवं संकल्प वाचन कराया गया। साथ ही समाज के वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, सम्मान और उनके प्रति जिम्मेदारी निभाने का भी संकल्प दिलाया गया। उप संचालक समाज कल्याण विभाग श्रीमती वैशाली मरडवार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के बीच इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशाखोरी से व्यक्ति, परिवार और समाज को होने वाली क्षति के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने जिले एवं प्रदेश में नशामुक्ति के लिए संचालित विभिन्न केन्द्रों की जानकारी देते हुए बताया कि राजनांदगांव में समाज कल्याण विभाग के माध्यम से अनुदानित समता जन कल्याण समिति द्वारा संचालित नशामुक्ति केन्द्र से अब तक सैकड़ों लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

पीएम आशा योजना से कोमल कुमार साहू को चना विक्रय में मिली सुविधा



राजनांदगांव (दैनंदिनी ब्यूरो)। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) योजना किसानों के लिए उनकी उपज के उचित मूल्य एवं सुगम विपणन का माध्यम बन रही है। योजना से लाभान्वित होकर ग्राम तेंदूनाला निवासी किसान कोमल कुमार साहू ने रबी मौसम में ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर चना एवं गेहूं की खेती कर न केवल फसल चक्र में बदलाव किया, बल्कि चना विक्रय से अपनी आय में भी वृद्धि की है।

कोमल कुमार साहू ने बताया कि पूर्व के रबी मौसम में वे ग्रीष्मकालीन धान की खेती करते थे। इससे जल स्तर पर दबाव पड़ने के साथ सभी रकबे में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना भी कठिन होता था। कृषि विभाग के मार्गदर्शन से उन्होंने इस वर्ष 2.430 हेक्टेयर में चना तथा शेष रकबे में गेहूं की फसल ली। चना की फसल से उन्हें लगभग 38 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। कृषि विभाग से पीएम आशा योजना के अंतर्गत चना उपार्जन की जानकारी मिलने पर उन्होंने सेवा सहकारी समिति तुमड़ीबोड़ में चना विक्रय हेतु पंजीयन कराया। पंजीयन के बाद उन्होंने अपनी पूरी उपज समिति में विक्रय की, जिसके एवज में उन्हें 2 लाख 23 हजार 250 रूपए की राशि प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि विक्रय की राशि लगभग 15 दिनों के भीतर प्राप्त हो गई। गत वर्ष की तुलना में उन्हें पीएम आशा योजना से लगभग 52 हजार रूपए का अतिरिक्त लाभ हुआ है। साहू ने बताया कि वे पहले प्राईवेट दुकानों में चना फसल का विक्रय करते थे। लेकिन पीएम आशा योजना से विक्रय करने पर उन्हें अतिरिक्त आय हुई है। साहू ने योजना की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पीएम आशा योजना से किसानों को अपनी उपज के विक्रय में सुविधा मिल रही है। उन्होंने जिले के अन्य किसानों से भी धान के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों को अपनाने तथा चना, मसूर, सरसों, मूंग एवं सोयाबीन जैसी फसलों का पीएम आशा योजना के अंतर्गत पंजीयन कराकर विक्रय करने की अपील की।

बालको में सुरक्षा संस्कृति को मिला नया बल, पांच वर्षों में 27,000 से अधिक लोगों को सुरक्षा प्रशिक्षण



बालकोनगर (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) में सुरक्षा केवल नियमों और प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह काम करने के तरीके और व्यवहार का अभिन्न हिस्सा है। बालको ने अनिवार्य सुरक्षा प्रशिक्षण, व्यावहारिक गतिविधियों और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों, व्यावसायिक साझेदारों, आगंतुकों और आसपास के समुदायों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया है। इन प्रयासों का उद्देश्य 'जीरो हार्म' की संस्कृति को मजबूत करना और सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

बालको में सभी कर्मचारियों, व्यावसायिक साझेदारों और आगंतुकों के लिए सुरक्षा इंडक्शन अनिवार्य है। इसके माध्यम से कार्यस्थल पर मौजूद संभावित जोखिमों और जरूरी सुरक्षा नियमों की जानकारी दी जाती है। प्रचालन क्षेत्र में प्रवेश से पहले प्रतिभागियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं से परिचित कराया जाता है और इसके बाद सुरक्षा से जुड़ा आकलन भी किया जाता है। पिछले पांच वर्षों में बालको ने 27,000 से अधिक लोगों को सुरक्षा इंडक्शन दिया है। वहीं, वित्तवर्ष 2026 में 2.30 लाख से अधिक मैन-आवर्स का सुरक्षा प्रशिक्षण पूरा किया गया।

सुरक्षा को व्यवहार का हिस्सा बनाने पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक श्री राजेश कुमार सिंह ने कहा, "बालको में सुरक्षा हमारे काम करने, नेतृत्व करने और हर दिन निर्णय लेने का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जीरो हार्म हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। जागरूकता, जिम्मेदारी और एक-दूसरे की चिंता के माध्यम से हम सुरक्षा को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, ताकि हर व्यक्ति सुरक्षित रूप से घर लौटे।" बालको ने सुरक्षा प्रशिक्षण को नियमित गतिविधियों से आगे बढ़ाकर व्यवहार में शामिल करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। 'सुरक्षा संकल्प' के माध्यम से लगभग पांच वर्षों से कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों के बीच सुरक्षा जागरूकता बढ़ाई जा रही है। हर सत्र में अलग विषय के माध्यम से सुरक्षा के बेहतर तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

'सुरक्षा स्टीवर्ड' के तहत शॉप फ्लोर से चुने गए सुरक्षा चैंपियन अपने साथियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों के लिए प्रेरित करते हैं। 'सुरक्षा पहल' सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाती है, जबकि 'सुरक्षा ज्योति' के माध्यम से सुपरवाइजरों को सुरक्षा से जुड़ा प्रशिक्षण देकर उनके नेतृत्व कौशल को मजबूत किया जाता है। वहीं, 'सुरक्षा प्रहरी' और 'सुरक्षा चौपाल' जैसे संवादात्मक मंचों के माध्यम से वरिष्ठ प्रबंधन और सुपरवाइजर सुरक्षा से जुड़े विषयों, चुनौतियों और बेहतर कार्यप्रणालियों पर सीधे संवाद करते हैं।

इस वर्ष की शुरुआत में बालको ने 'सेफ्टी पार्क' भी शुरू किया। यह एक अनुभव आधारित प्रशिक्षण केंद्र है, जहाँ मॉडल, व्यावहारिक मॉड्यूल और दृश्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सुरक्षा नियमों को आसानी से समझाया जाता है। इससे प्रतिभागियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं को देखकर और समझकर सीखने का अवसर मिलता है।

सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में बालको के प्रयासों को ग्लोबल रोड सेफ्टी अवॉर्ड 2026 से भी सम्मानित किया गया है। यह सम्मान बालको द्वारा सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की पहचान है।

संकट की घड़ी में हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है हमारी सरकार : ओ.पी. चौधरी

रायपुर ■ दैनन्दिनी

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से महानदी का जलस्तर बढ़ने के कारण रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सरिया तहसील के कई गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। संकट की इस घड़ी में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी स्वयं प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे। उन्होंने राहत एवं बचाव दल के साथ नाव के जरिए जलमग्न ग्राम बोरिदा, ठेंगागुरी और तोरा पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की तथा बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों का जमीनी जायजा लिया।



चारों ओर पानी से घिरे गांवों में श्री चौधरी ने प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर माताओं-बहनों, बुजुर्गों, बच्चों और युवाओं का हालचाल जाना। उन्होंने ग्रामीणों से उनकी परेशानियों और तत्काल आवश्यकताओं के संबंध में सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी सुरक्षा तथा सहायता के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं।



"आप चिंता न करें, सरकार और पूरा प्रशासन आपके साथ है"-वित्त मंत्री श्री चौधरी ने प्रभावित ग्रामीणों से कहा कि बाढ़ के कारण उत्पन्न इस कठिन परिस्थिति में उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन-प्रशासन की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। किसी भी प्रभावित परिवार को आवश्यक सहायता से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को प्रभावित लोगों के लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने तथा जरूरत पड़ने पर ग्रामीणों को तत्काल सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता और उनका सुरक्षित बचाव सुनिश्चित करने के लिए सरकार और प्रशासन निरंतर जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे हैं। महानदी के जलस्तर और प्रभावित गांवों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा आवश्यकता के अनुरूप राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं।



छत्तीसगढ़ के पर्यटन को वैश्विक बाजार से जोड़ने की पहल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई। नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक व्यू रिसॉर्ट में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस-2026' का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स, होटलियर्स, होम-स्टे संचालक, पर्यटन संस्थाओं और विदेशी टूर एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित करने के बजाय पर्यटन कारोबार के संभावनाशील बाजार के रूप में स्थापित करना रहा। बीटूबी बैठकों में नए टूर पैकेज तैयार करने, पर्यटकों के समूहों को प्रदेश में लाने, व्यावसायिक साझेदारी, निवेश और पर्यटन उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने पर चर्चा हुई।

एआई और डिजिटल तकनीक से बढ़ेगी वैश्विक पहुंच

पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे ने विश्व पर्यटन दिवस की थीम के संदर्भ में डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की संभावनाएं बताईं। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रचार, कंटेंट निर्माण और पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने में इनका उपयोग किया जा सकता है। होम-स्टे के लिए 82 लाभार्थियों के 280 से अधिक कमरों की पहचान, डिजिटल रिजर्वेशन के लिए वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप तथा निवेशक बैठकों और रोड शो के माध्यम से बाजार पहुंच बढ़ाने का काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष जसप्रीत भाटिया ने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने से क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिली है। शासन, विभाग और पर्यटन से जुड़े सभी हितधारकों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।



स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था से जोड़ने पर जोर-पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पर्यटन केवल घूमने-फिरने तक सीमित क्षेत्र नहीं है, बल्कि प्रकृति, संस्कृति, इतिहास, विरासत और स्थानीय अर्थव्यवस्था को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है। बस्तर की जनजातीय संस्कृति, सरगुजा की प्राकृतिक सुंदरता, चित्रकोट-तीरथगढ़ के जलप्रपात, सिरपुर की ऐतिहासिक विरासत, राजिम की धार्मिक आस्था, भोरमदेव की स्थापत्य कला और बारनवापारा का वन्यजीवन छत्तीसगढ़ की प्रमुख पर्यटन संपदाएं हैं।

उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास का उद्देश्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण तथा कारीगरों, कलाकारों और ग्रामीण-जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर तैयार करना भी है। उन्होंने रायपुर की निर्माणाधीन फिल्म सिटी, भोरमदेव कॉरिडोर और जशपुर के मयाली क्षेत्र की पर्यटन परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने बताया कि दिल्ली, भुवनेश्वर, पुणे और चेन्नई सहित प्रमुख शहरों में रोड शो और राष्ट्रीय पर्यटन आयोजनों में भागीदारी के परिणामस्वरूप 400 से अधिक ट्रैवल एजेंसियां पर्यटन मंडल से जुड़ चुकी हैं।

पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने पर्यटन को विकास, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जोड़ने, डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के पर्यटन स्थलों का प्रचार बढ़ाने की जरूरत बताई। कार्यक्रम में पर्यटन हितधारकों को राज्य स्तरीय पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इसके अलावा जीपीएम के पुरातात्विक स्थल धनपुर पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'धनपुर' का विमोचन किया गया। आयोजन में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा, सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे सहित पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने विभागीय सचिवों को समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के दिए निर्देश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन राज्य शासन के सभी विभागों के भारसाधक सचिवों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिवों के साथ महत्वपूर्ण योजनाओं और विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्धारित कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए है।



बैठक में धान खरीफ विपणन वर्ष के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल योजनाओं और जल संसाधन विभाग को शहरी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल प्रबंधन और उपचार के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। नगरीय विकास विभाग को सिटी वाटर प्लान को विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए गए। ग्राम सभा के आयोजन के लिए निर्धारित 15 से 22 अक्टूबर की अवधि में आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने को कहा गया। परिवहन विभाग को आगामी समय में ई-व्हीकल को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने तथा खाद्य विभाग को सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी तैयार करने के निर्देश दिए गए।

जिलों की मॉनिटरिंग पर जोर-मुख्य सचिव ने जिलों में योजनाओं और विभागीय कार्यों की प्रभावी निगरानी के लिए स्कोर कार्ड को अंतिम रूप देने को कहा गया, जिससे कलेक्टरों के स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम को प्रभावी बनाने तथा अक्टूबर माह के लिए पारस पोर्टल से संबंधित प्रस्तावों पर आईटी विभाग के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। **ई-गजट पर निर्देशों की प्रतियां अपलोड करने के निर्देश**-मुख्य सचिव ने कहा कि शासन द्वारा बनाए गए सभी विधिक, नियमो, निर्देशों की संदर्भ प्रति ई-गजट पर अपलोड की जाए, ताकि अधिकारियों और संबंधित विभागों को भविष्य में संदर्भ के लिए इनका आसानी से उपयोग किया जा सके। पेंशन से संबंधित मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए विभागाध्यक्ष को प्रत्येक विभाग के लंबित प्रकरणों की संख्या, उनके निराकरण में लगे समय और प्रगति की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एपीएआर को आईगॉट से लिंक करने तथा प्रत्येक विभाग को कर्मचारियों के क्षमता निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा गया। मुख्य सचिव ने कर्मचारी चयन मंडल के लिए विभिन्न विभागों में रिक्त पदों की जानकारी 30 सितंबर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में लोक सेवा गारंटी अधिनियम, रिफॉर्म उत्सव, 2 अक्टूबर की ग्राम सभाओं की तैयारियों और सेवा सेतु की प्रगति पर भी चर्चा हुई।

जापानी निवेशकों के रडार पर छत्तीसगढ़, JETRO ने अपनी वेबसाइट पर राज्य की निवेश संभावनाओं को दी जगह

रायपुर ■ दैनन्दिनी

जापान के साथ छत्तीसगढ़ की आर्थिक और औद्योगिक साझेदारी की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (JETRO) ने अपनी वेबसाइट पर छत्तीसगढ़ की निवेश संभावनाओं और औद्योगिक अवसरों से संबंधित जानकारी को स्थान दिया है। इससे भारत में निवेश की संभावनाएं तलाश रही जापानी कंपनियों के बीच छत्तीसगढ़ की पहुंच बढ़ेगी और उन्हें राज्य में उपलब्ध औद्योगिक अधोसंरचना, भूमि तथा निवेश प्रोत्साहनों की जानकारी मिल सकेगी। यह प्रगति मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अगस्त 2025 में जापान और दक्षिण कोरिया की निवेश यात्रा के दौरान स्थापित हुए संपर्कों और उसके बाद राज्य सरकार द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान राज्य सरकार ने JETRO के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने और जापानी कंपनियों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों से जोड़ने पर चर्चा की थी। इसी क्रम में JETRO के प्रतिनिधिमंडल ने 28 एवं 29 जुलाई 2026 को छत्तीसगढ़ का दौरा कर राज्य के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और निवेश संभावनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल ने नवा रायपुर में विकसित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों और वहां उपलब्ध आधुनिक अधोसंरचना की जानकारी ली।

नवा रायपुर की औद्योगिक अधोसंरचना से रूबरू हुआ प्रतिनिधिमंडल-JETRO प्रतिनिधिमंडल ने सेक्टर-22 स्थित 120 एकड़ में विकसित इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर का भ्रमण किया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) से अनुमोदित इस क्लस्टर में प्लग-एंड-प्ले फ्लैटेड फैक्ट्री जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रतिनिधिमंडल ने यहां संचालित Rezute Electronics, Arham Technologies, Amrit Meditech और Paripath Technologies जैसी इकाइयों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने सेक्टर-22 स्थित फार्मास्युटिकल पार्क का भी भ्रमण किया, जिसे मध्य भारत के सबसे बड़े फार्मा पार्क के रूप में विकसित किया गया है। इसके अलावा सेक्टर-5 के रेडीमेड गारमेंट पार्क एवं मिक्स्ड-यूज इंडस्ट्रियल पार्क का अवलोकन किया गया। यहां प्रतिनिधिमंडल ने Aspire Pharma के प्रतिनिधियों से संवाद किया। सेक्टर-22 स्थित टेक्सटाइल पार्क में वस्त्र एवं परिधान निर्माण के लिए विकसित सुविधाओं की जानकारी भी ली गई। औद्योगिक सुविधाओं के साथ प्रतिनिधिमंडल ने नवा रायपुर में टाउनशिप विकास के लिए उपलब्ध आवासीय क्षेत्रों तथा स्वास्थ्य, रिटेल और सामाजिक अधोसंरचना का भी जायजा लिया। अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और उनके कर्मचारियों के लिए उपलब्ध ये सुविधाएं निवेश संबंधी निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

जापानी निवेश की संभावनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा-JETRO प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार से मुलाकात की। बैठक में राज्य की औद्योगिक नीति, विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं तथा जापानी कंपनियों के निवेश को सुगम बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (CII), छत्तीसगढ़ चैप्टर के प्रतिनिधियों से भी संवाद कर राज्य के औद्योगिक परिदृश्य और स्थानीय उद्योग जगत के दृष्टिकोण को समझा।

दौरे के बाद भी जारी रहा निरंतर संवाद-JETRO प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बाद वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने इस पहल को आगे बढ़ाते हुए वर्चुअल बैठकों और पत्राचार के माध्यम से लगातार संपर्क बनाए रखा। इस दौरान राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों, निवेश के लिए उपलब्ध भूमि और नीतिगत प्रोत्साहनों से संबंधित विस्तृत जानकारी JETRO के साथ साझा की गई। इसी निरंतर संवाद के परिणामस्वरूप JETRO ने अपनी वेबसाइट पर छत्तीसगढ़ की निवेश प्रोफाइल और औद्योगिक अवसरों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई है। इससे JETRO के नेटवर्क से जुड़ी जापानी कंपनियों को छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं की जानकारी सीधे मिल सकेगी।

रावण का पुतला दहन तो दुर्योधन का क्यों नहीं?

मानवाधिकार आयोग से हुई शिकायत

रायपुर. छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग के सामने आमतौर पर सामाजिक बहिष्कार, प्रताड़ना और अधिकारों से जुड़े मामले पहुंचते हैं. लेकिन एक ऐसा मामला भी सामने आया, जिसका संदर्भ त्रेता युग से जुड़ा है. आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक ने बताया कि दशहरा पर रावण के पुतला दहन को मानवाधिकार के नजरिए से देखने का सवाल उठाया गया. मामले में सवाल किया गया कि हर साल रावण का पुतला जलाया जाता है, तो क्या इसे मानवाधिकार के संदर्भ में देखा जा सकता है. साथ ही यह सवाल भी उठाया गया कि अगर रावण को लेकर ऐसा सवाल है, तो द्वापर युग के दुर्योधन के संदर्भ में ऐसा क्यों नहीं है? यानी आयोग के सामने एक ओर वर्तमान समय के सामाजिक बहिष्कार जैसे गंभीर मामले हैं. तो दूसरी ओर पौराणिक पात्रों और आधुनिक मानवाधिकार की अवधारणा को जोड़कर देखा गया एक बेहद अलग सवाल भी सामने आया है.

कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक ने बताया कि आयोग के सामने एक आवेदनकर्ता ने सवाल उठाया है कि क्या रावण का पुतला जलाना उसके मानव अधिकारों का हनन नहीं हैं जबकि दुर्योधन तो उससे भी बड़ा पापी था तो उसका पुतला हर साल क्यों नहीं जलाया जाता? अगर रावण को बुराई के प्रतीक के तौर पर पुतला बनाकर जलाया जाता है, तो महाभारत के पात्र दुर्योधन का पुतला क्यों नहीं जलाया जाता? शिकायतकर्ता को समझाया गया कि रावण मानव नहीं था, इसलिए यह मामला मानव अधिकार आयोग के दायरे में नहीं आता.

आयोग में आते हैं करीब 4 हजार फर्जी मामले

आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरधारी नायक के मुताबिक, आयोग के गठन के बाद 26 वर्षों में लगभग 74 हजार मामले सामने आए हैं. इनमें करीब 900 मामले अभी पेंडिंग हैं. सामाजिक बहिष्कार से जुड़े मामलों की हिस्सेदारी करीब 40 से 45 प्रतिशत है. उन्होंने कहा कि आयोग के सामने कई फर्जी मामले भी आते हैं, जिनकी संख्या 3 से 4 हजार है.मानवाधिकार संरक्षण आयोग के सामने पिछले वर्षों में बड़ी संख्या में ऐसे मामले पहुंचे हैं, जिनमें सामाजिक स्तर पर किसी व्यक्ति या परिवार को समाज से अलग करने, बहिष्कृत करने या सामाजिक दबाव बनाने जैसी शिकायतें शामिल हैं. सामाजिक बहिष्कार के मामलों में कई बार व्यक्ति को समाज के कार्यक्रमों से अलग करने, उसके साथ बातचीत बंद करने, सामाजिक गतिविधियों में शामिल नहीं होने देने या परिवार पर आर्थिक और सामाजिक दबाव बनाने जैसी शिकायतें सामने आई हैं.

करीब 1800 सफाई कर्मचारियों की समस्याएं आई सामने

राजधानी रायपुर में करीब 6 हजार सफाई कर्मियों में से लगभग 1,800 की समस्याएं आयोग के सामने आई हैं. इन मामलों में शिकायत मिलने के बाद संबंधित निकायों को नोटिस जारी किए गए, जिसके बाद कई समस्याओं का निराकरण किया गया. प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से आयोग ने आरटीओ और ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई है. इसमें ड्राइवरों को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के सुझाव दिए गए हैं. प्रदेश में 10 से अधिक ट्रक रखने वाले करीब 3 हजार ट्रक मालिक हैं, जिनसे जुड़े लगभग 30 हजार ट्रक ड्राइवरों का ग्रुप इंश्योरेंस कराने के लिए आयोग ने पत्र भी लिखा है. प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पहले 3 हजार से अधिक कुष्ठ रोगियों को चिन्हांकित किया गया था. दोबारा जांच के दौरान करीब 1,500 नए मामले सामने आए हैं. आयोग ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों से चर्चा की है.

सरेंडर नक्सलियों से बातचीत

मानव अधिकार आयोग की टीम ने विभिन्न जिलों का दौरा कर स्कूल, अस्पताल, जेल और थानों का निरीक्षण किया. बीजापुर जिले के दौरे के दौरान सरेंडर नक्सलियों से भी चर्चा की गई. करीब 200 सरेंडर नक्सलियों से बातचीत में 9 ऐसे लोग सामने आए, जो बचपन में अनाथ हो गए थे. आयोग ने संबंधित कलेक्टरों से ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें अनाथालय में रखकर देखभाल और पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि उनके अपराध या गलत रास्ते पर जाने की आशंका को कम किया जा सके.

जो जिम्मेदारी नहीं निभा रहे, उन्हें रिप्लेस किया जाएगा : सुखदेव भगत

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कांग्रेस संगठन में क्या बड़ा बदलाव होने जा रहा है. छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे नए प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के बयानों ने ऐसे सवालों को हवा दे दी है. उन्होंने साफ कहा कि पार्टी संगठन में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जो जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाएगा, उन्हें रिप्लेस कर दिया जाएगा. दरअसल, प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचे हैं. सोमवार को कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश कार्यकारिणी और कनेक्ट सेंटर की बैठक हुई. साथ ही आने वाले दिनों में विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति तय की गई. बैठक में उनके अलावा नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और अन्य प्रमुख नेता शामिल हुए. कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत ने कहा कि अलग-अलग बैठकों में संगठन के काम काज को लेकर चर्चा की गई है. डेटा की जानकारी ली जा रही है, जिसके बाद समीक्षा की जाएगी. जो पार्टी की ओर से मिली जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे हैं, उन्हें रिप्लेस कर दिया जाएगा. सभी को एकजुट होकर पार्टी का काम करने के निर्देश दिए गए हैं. पार्टी संगठन में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी.



नए प्रदेश प्रभारी का पहला छत्तीसगढ़ दौरा-बता दें कि सचिन पायलट के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सुखदेव भगत को छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी की कमान सौंपी है. प्रदेश प्रभारी के तौर पर उनका यह पहला छत्तीसगढ़ दौरा है. रविवार दोपहर को रायपुर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद वह राजीव भवन पहुंचे, जहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की. इसके बाद पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक ली. रात में विधायक दल की बैठक में शामिल हुए. सोमवार को सुबह 10 बजे से मैराथॉन बैठकें ले रहे हैं. शाम करीब 7 बजे वह एयरपोर्ट जाएंगे और फ्लाइट से नई दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे.

रायपुर में अपराध पर पुलिस की कार्रवाई

रायपुर। राजधानी में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट, धमकी, अवैध शराब, चाकू और गांजा रखने के मामलों में पुलिस ने कार्रवाई की है। खमतराई, सरस्वती नगर और टिकरापारा थाना क्षेत्रों में दर्ज प्रकरणों में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), आम्र्स एक्ट, आबकारी एक्ट और नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। खमतराई थाना क्षेत्र के रावांभाठा जैतखाम के पास 27 सितंबर की रात लक्ष्मण प्रसाद साहू से शराब पीने के लिए पैसे मांगे गए। पैसे नहीं देने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया। इसी थाना क्षेत्र में गणेश विसर्जन के दौरान गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद में अजय बघेल से मारपीट और धमकी देने का मामला भी दर्ज हुआ। भनपुरी में भी शराब के लिए पैसे मांगने और नहीं देने पर मारपीट की शिकायत दर्ज की गई है।सरस्वती नगर थाना क्षेत्र के चौबे कॉलोनी में घरेलू बात को लेकर पति ने महिला से गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com